डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 162 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 29 मार्च 2025 | मूल्य 2 रुपया

मनमानी: अभिभावकों से वसूला जा रहा डबल रुपया

प्रकाशक के अलावा स्कूल और पुस्तक विक्रेता का कमीशन पड़ रहा भारी

जबलपुर की स्टाईल में पुस्तक मेला कर सकता है यह खेल खत्म

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। किताबों में कमीशन के खेल के मामले में शासन ने अपनी तरफ से आदेश जारी कर दिए है। लेकिन, अब बारी है स्थानीय प्रशासन की। जो हर बार आदेश को रद्दी की टोकरी में डालता आ रहा है। लेकिन, इस बार कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग से लोगों को उम्मीद है। जबलपुर के बाद ग्वालियर में भी प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। यहां दो स्कूल संचालकों पर किताबों के मामले में ही कार्रवाई की गई। अगर स्थानीय प्रशासन चाहे तो इस खेल पर पुण्यविराम लगा सकता है। जबलपुर में पुस्तक मेला लगाकर स्कूल और पुस्तक विक्रेता का कमीशन खत्म कर दिया गया। इधर प्रकाशक भी प्रतिस्पर्धा में अपने दाम गिराकर पुस्तक बेचने लगे। यही कारण है कि 50 प्रतिशत तक का डिस्काउंट वहां अभिभावकों को मिला। इधर मंदसौर की बात करें तो पुस्तक विक्रेता और स्कूल दोनों का कमीशन और प्रकाशक की कमाई अभिभावक से ही वसूली जा रही है।

अपने बच्चे को बेहतर शिक्षा दिलवा कर एक सुरक्षित भविष्य का सपना देखना अब लोगों के लिए मुश्किल हो गया है। अब तक जहां स्कूलों की फीस जुटाने में परिजनों की कमर टूट जाती थी वहीं अब बच्चे की किताबें खरीदने में कई महीनों का घर का बजट हिल जाता है। कई स्कूल तो ऐसे हैं, जिनमें किताबों का सेट 8 से 10 हजार रुपये तक है। इस तरह स्कूली विद्यार्थियों के अभिभावक परेशान हैं। शासन की बात करें तो हर बार कार्रवाई के लिए निर्देश जारी किए जाते हैं। लेकिन, स्थानीय स्तर पर रसूखदारों के सामने अधिकारी अपने आपको असहाय ही समझते हैं। जबकि, जबलपुर सहित कई जगहों पर सख्ती कर वहां के अधिकारियों ने बता दिया कि कार्रवाई करें तो अभिभावकों को राहत मिल सकती है।

मंदसौर में पुस्तक मेले की जरुरत...

इस कमीशन के खेल को खत्म कर सकता है पुस्तक मेला। जबलपुर में पुस्तक मेले से अभिभावकों को तगड़ी राहत मिली है। 50 प्रतिशत तक का डिस्काउंट पुस्तकों पर मिला। इसका कारण है कि एक तो स्कूल और पुस्तक विक्रेता का कमीशन खत्म हो गया। इसके बाद जहां प्रकाशक मनमाने रुपए ले रहा था, वहीं प्रतिस्पर्धा के चलते उसने भी दाम कम कर दिए।

महंगी किताबें और ऊपर से कमीशन...

किताबों के कमीशन के खेल में सबसे पहले तो प्रकाशक और स्कूल संचालकों की जुगलबंदी हो जाती है। इसके बाद प्रकाशक मनमाने दाम पर किताबें बेचता है। महंगी किताबें और इसके बाद स्कूल और पुस्तक विक्रेता का कमीशन इसमें जुड़ता है। उदाहरण के लिए किताब का लागत मूल्य 100 रुपए है तो इसमें 20 प्रतिशत स्कूल वालों का कमीशन और 20 प्रतिशत पुस्तक विक्रेता का। अगर मान भी लिया जाए कि प्रकाशक इसमें सिर्फ 20 प्रतिशत ही कमाएगा। तो अभिभावक को यह पुस्तक पड़ती है 160 रुपए की। महंगी किताबों पर 60 प्रतिशत ज्यादा मूल्य तो रुपयों का आंकड़ा बहुत ज्यादा पहुंच जाता है।

किसके कितने दाम

कक्षा	-	सेट के दाम(रुपए में)
केजी	-	3100 से 3800
एलकेजी	-	3200 से 4200
कक्षा 1	-	4800 से 6200
कक्षा 2	-	5100 से 6300
कक्षा 3	-	5400 से 6900
कक्षा 4	-	5900 से 7400
कक्षा 6 से 9	-	5700 से 8900

(नोट: प्रत्येक स्कूल के सेट की कीमतों में फर्क होता है)

बाईक से कर रहे थे शराब तस्करी, गिरफ्तार

सीतामऊ, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने शराब तस्करी के दो आरोपियों को पकड़ा है। दोनो आरोपी बाइक से अवैध शराब ले जा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

सीतामऊ पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर सुरखेड़ा गिट्टी मशीन के पास नाकाबंदी की गई। इस दौरान स्पलेंडर बाइक पर सवार नागुसिंह पिता अमरसिंह चौहान और रामेश्वर पिता रोडु धनगर निवासी नकेडिया को रोका गया। पुलिस ने इनके पास मौजूद कट्टे की तलाशी ली। जिसमें दस पेटी शराब मिली। शराब परिवहन का लायसेंस मांगने पर नहीं मिला। पुलिस ने बताया कि कुल 90 बल्क लीटर शराब जब्त की गई है। आरोपियों के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34/2 के तहत प्रकरण दर्ज कर पूछताछ की जा रही है।

पेट्राल भराने गई स्कूटी में लगी आग

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शहर में एक और स्कूटी में आग लगने की घटना सामने आई है। शुक्रवार को बीपीएल चौराहा स्थित पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भराने गए स्कूटी चालक के वाहन में अचानक आग लग गई।

पेट्राल पंप कर्मचारी तत्काल हरकत में आए और स्कूटी को पंप से दूर स्टेडियम रोड़ पर ले गए। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने आग पर काबू पाया। कुल मिलाकर पेट्रोल पंप कर्मचारियो की सजगता से बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, इस दौरान पेट्रोल पंप पर लगाए गए अग्निशमन यंत्रो की टेस्टिंग नहीं हो सकी?

जिम्मेदार सोते रहे और तालाब की पाल के पास मिट्टी डालकर बना दिया प्लॉट

जेसीबी से जबरन प्लॉट बनाने पर पूर्व पार्षद रामप्रसाद सुरा के खिलाफ की शिकायत

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शहर के आमजन हो या राजनितिक या प्रशासनिक जिम्मेदार तेलिया तालाब को बचाने में किसी की दिलचस्पी नहीं दिखाई दें रही हैं।नगर पालिका, राजस्व विभाग की मुस्तेदी कितनी हैं, यह देखना हो तो उसका ताज़ा उदाहरण शुक्रवार को देखने को मिला। दिनदहाड़े रेवास-देवड़ा मार्ग स्थित तेलिया तालाब झरने के पास अवैध रूप से जेसीबी चलाकर कुछ लोगों ने नाले के किनारे की उबड खाबड़ जमीन को प्लॉट बना कब्जा कर लिया। देर शाम तक राजस्व विभाग और नगर पालिका अधिकारी इस कब्जे से अनजान बने रहे। जबकि, उक्त जमीन को लेकर न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है। ऐसे में नरेन्द्र गर्ग ने जमीन पर जेसीबी से अवैध निर्माण करने के मामले में पूर्व पार्षद रामप्रसाद सुरा के खिलाफ शहर थाने में आवेदन देने की बात कही है। हालांकि कोतवाली टीआई पुष्पेन्द्र राठौर ने ऐसे किसी आवेदन की जानकारी होने से इंकार किया है।

बता दें कि इससे पहले भी तेलिया तालाब की कैनाल के पास अवैध रूप से एप्रोच रोड का निर्माण कर दिया गया। करीब 10 दिन तक ये अवैध कार्य होता रहा और खुद सीएमओ अपने अधीनस्थ अधिकारियो से से यह कार्य करवाते रहें? लेकिन, आज तक किसी कि अधिकृत तौर पर जिम्मैदारी तय कर उसे सजा नही दी गई है। यूं कहे की जिम्मैदारों ने कागजी घोड़े दौडाकर पूरे मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। ऐसे में आमजन के मन में ये सवाल है कि आखिर इतने गंभीर मामले में सबकुछ जानकर भी जिम्मैदार अंजान है तो फिर व्यवस्था का भगवान ही मालिक है। अब देखना हैं की तेलिया तालाब की पाल के पास झरने के समीप बनाये गये भूखंड के मामले में प्रशासन क्या कार्यवाही करता हैं।

इनका कहना...

तेलिया तालाब के पास जमीन को लेकर न्यायालय में प्रकरण चल रहा है। लेकिन, रामप्रसाद सुरा ने शुकवार को जेसीबी के माध्यम से यहां मिट्?टी डालकर प्लॉट बना दिया है। मैंने इस संबंध में थाने में भी शिकायत की है।

नरेन्द्र गर्ग
जमीन कारोबारी, मंदसौर

अधेड़ को लहसून चोरी करते रंगे हाथों पकड़ा

नीमच, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले के जावद क्षेत्र में किसानों ने एक अधेड़ को लहसून चोरी करते रंगे हाथो पकड़ लिया। घटना अठाना दरवाजा के पास की है। किसानों ने आरोपी को रात में लहसून का ढेर ले जाते हुए पकड़ा है। पकड़े जाने के बाद आरोपी का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में चोर ने स्वीकार किया कि उसने पहली बार चोरी की है। उसने लगभग 7-8 किलो लहसून चुराया था। उसने किसानों से माफी भी मांगी। किसानों का कहना है कि इससे पहले भी उनके खेतों से कई बार लहसून की चोरी हुई है। चोर को पकड़ने के बाद उन्होंने तुरंत जावद थाना पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपी की पहचान मोहम्मद फिरोज पिता गुलाम नबी के रूप में की है। जो अठाना दरवाजा जावद का रहने वाला है। पुलिस ने धारा 303/2 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

रांग साइड से आ रहे ट्रक ने मारी बाइक को टक्कर

बुझ गया घर का इकलौता चिराग, एम्बूलेंस के देरी से आने से तड़पते रहे घायल

पिपलियामंडी, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पुलिस थाने के निकट पेट्रोल पंप के पास शुक्रवार दोपहर 12.30 बजे ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए, इनमें से एक की मौत हो गई। एक घर का इकलौता चिराग बुझ गया। जानकारी के अनुसार अरनिया गुर्जर (अफजलपुर) निवासी संजय (19) पिता मुकेश राठौर, रोहित (18) पिता वासुदेव राठौर व किशन (18) पिता ईश्वरलाल राठौर बाइक (एमपी 14 जेड सी2004) से सांवलियाजी के लिए निकले थे। पिपलिया पुलिस थाने के निकट पेट्रोल पंप के यहां रांग साइड नीमच की ओर से आ रही ट्रक (आरजे 09 जीई 4979) ने बाइक को टक्कर मार दी। इसमें किशन की मौत हो गई।

एम्बूलेंस समय पर नही आने से परेशान:- प्रदेश के डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा के विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख नगर पिपलियामंडी के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर स्थाई एम्बूलेंस नही होने से घायलों को रेफर करने के बाद तडपते हुए देखा जा सकता है। शुक्रवार को भी हादसे के बाद घायलों को रेफर कर दिया, लेकिन एम्बूलेंस नही होने से घायलों समय पर मंदसौर नही भेजा जा सका, दोनों घायल तडपते रहे। करीब 35 मिनिट बाद एम्बूलेंस मल्हारगढ से आई, तब घायलों को ले जाया जा सका।

इकलौता था किशन:- जानकारी के अनुसार मृतक किशन खेती-मजदूरी कार्य करता था, वह परिवार में इकलौता था। वह अपने दोस्तों के साथ सुबह सांवलियाजी के लिए दर्शन के लिए निकला था। हादसे के बाद पिपलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे परिजनों का रो-रोककर बुरा हाल हो गया।

दो घंटे पड़ा रहा शव, हस्तक्षेप के बाद पीएम के लिए भिजवाया- दुर्घटना में मृत किशन का.... **शेष पेज 4 पर**

पुलिस कप्तान ने क्राइम बैठक ली

अपराधों की समीक्षा कर सख्त कार्यवाही के दिये निर्देश, बेहतर काम करने वाले अधिकारियों को किया पुरस्कृत

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अपराधियों पर सख्त कार्रवाहीं के लिए पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद ने निर्देश दिए। उन्होंने बांडओव्हर, जमानत निरस्ती एवं सफेमा की कारवाही समेत सभी अपराधों पर लगाम लगाने के निर्देश दिये।

श्री आनंद पुलिस कंट्रोल रूम में जिले भर के पुलिस अधिकारियों के साथ अपराधों की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गौतम सौलंकी एवं गरोठ अनुभाग एएसपी हेमलता कुरील भी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में जमानत निरस्तीकरण के दो प्रकरणों थाना भावगढ़ एवं अफजलपुर द्वारा सराहनीय कार्यवाही करने पर एसडीओपी मंदसौर ग्रामीण श्रीमती कीर्ति बघेल एवं एसडीओपी मल्हारगढ़ नरेंद्र सोलंकी तथा थाना प्रभारी मल्हारगढ़ एवं अफजलपुर को पुरस्कृत किया। पुलिस कप्तान ने थाना प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे अपराधी जिनके बाउंडओवर नहीं है या जिनकी बाउंडओवर की अवधि समाप्त होने वाली है, उनके बाउंडओवर करवाए जाये। जमानत निरस्तीकरण एवं सफ़ेमा की कार्यवाही हेतु प्रकरण चिन्हित कर कार्यवाही करे। इसके साथ ही सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का त्वरित, समयसीमा में एवं विधि संगत निराकरण करे एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, चिन्हित अपराधों में कार्यवाही करें। कप्तान ने कहा कि जुआ सट्टा समेत सभी अपराधों पर सख्त कार्रवाही की जाये।

समर्थन मूल्य : गरोठ उपखंड में दो सर्वेयर की सेवा समाप्त

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा बताया गया कि कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा 26 मार्च 2025 को उपखंड गरोठ के गेहूँ उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केन्द्रों पर उपस्थित सर्वेयर से गुणवत्ता मापदण्ड के संबंध में पूछने पर रजनी प्रभा वेयरहाउस में नियुक्त सर्वेयर राजु सिंह एवं संजय प्रजापती गेहूं के गुणवत्ता मापदण्डों की जानकारी नहीं बता पाएं। साथ ही डिजीटल मोईश्चर मीटर पर नमी का नाप भी ठीक तरह से बताने में असमर्थ रहे। सर्वेयरों के पास निर्धारित यूनीफार्म एवं आईडी कार्ड भी मौके पर नहीं पाए गए। कलेक्टर द्वारा संयुक्त निरीक्षण दल के समक्ष जिला प्रबंधक मध्यप्रदेश स्टेट सीविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन को इन पर कार्यवाही के निर्देश दिए गए। जिसके पालन में जिला प्रबंधक द्वारा इन दोनों सर्वेयरों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त की गई। इनके स्थान पर अन्य सर्वेयरों की नियुक्ति हेतु आदेशित किया गया।

बढ़ी बीमारियां- मौसम में गरमी बढ़ने के साथ ही बड़े अस्पताल की ओपीडी में मरीजो की भीड़ भी बढ़ने लगी है।

किसानों के सहारे फिर से जिंदा होने की कोशिश में कांग्रेस...

मंदसौर/उज्जैन, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सिंहस्थ आयोजन के पहले ही उज्जैन में सिंहस्थ क्षेत्र के किसानों की भूमि अधिग्रहण के मामले को लेकर कांग्रेस फिर से अपनी जनसाख बढ़ाने की तैयारी में जुट गई है। जैसे 06 जून 2017 के किसान आंदोलन के बाद कांग्रेस की सरकार बन गई थी। उसी तर्ज पर जिलेवार बैठककर पत्रकार वार्ता शुरू हो चुकी है। शुक्रवार को मंदसौर के कांग्रेस मीडिया प्रभारी समर सिंह ने प्रेस से बात करते हुए कहा कि सिंहस्थ क्षेत्र के किसानों का मामला उच्च न्यायालय ले जाने की तैयारी कर चुके हैं। प्रभावित किसान अपने स्तर पर भी कर रहे हैं। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार की सिंहस्थ क्षेत्र में किसानों की जमीन को स्थाई अधिकरण करने की योजना में सबसे बड़ा डेंट तो उनके अपने ही दर्शनशास्त्र के व्याख्याता विधायक डॉक्टर चिंतामण मालवीय ने विधानसभा में विरोध कर लगा दिया है। उनकी अपनी सरकार है। इसलिए, विधानसभा में बोल पड़े। अन्यथा सार्वजनिक मंच से बोलना पड़ता।

चन्द्रमोहन भगत

खैर बात कांग्रेस की किसानों के सहारे फिर से पुनर्जीवित होने की है, पर आधार किसान आंदोलन ही है। जून 2017 में जब आंदोलनरत किसानों पर पुलिस फायरिंग से 06 किसानों की मौत हुई थी। तब देशभर के किसान संगठन सक्रिय हुए थे और बाद के एक-दो साल तक इसी तारीख पर मंदसौर में प्रदर्शन भी किए गए थे। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी इस किसान आंदोलन की खबरों को स्थान मिला था। इसके बाद के प्रदेश विधानसभा चुनाव में भले ही बहुमत पाकर कांग्रेस ने सरकार बना ली थी, इसके एकदम उलट मंदसौर-नीमच संसदीय क्षेत्र के सात विधायक भाजपाई बने थे। एक मात्र विधायक हरदीपसिंह डंग कांग्रेस से जीते थे। लेकिन, बाद में वे भी भाजपा में शामिल हो गए थे। निर्मम गोली कांड की घटना के साल भर बाद यह हालात थे। सिंहस्थ क्षेत्र के किसानों की नाराजगी को व्यापक प्रचार- प्रसार कर भाजपा सरकार के खिलाफ भुनाने के लिए अब फिर से प्रदेश कांग्रेस संगठन सक्रिय हो गया है। सभी जिलो में इसकी तैयारी के लिए प्रभारी के दौरे शुरू हो चुके हैं। देखना यह होगा कि 2017 में 06 किसानों की मृत्यु के बाद स्थानीय मतदाता भाजपा का ही बना रहा था। नाराज होता तो संसदीय क्षेत्र में गैर भाजपाई विधायको का बहुमत होता। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ था। अभी भी मात्र उज्जैन के सिंहस्थ क्षेत्र प्रभावित किसानों के लिए यही जनमत भाजपा को फिर से नकार पाएगा ! इसमें संदेह है। कांग्रेस बीते अनेक लगातार हो रहे चुनाव में भाजपा से पिछड़ ही रही है। जब 2018 में सरकार बनी भी थी तो 05 साल चला नहीं सके थे।

बीते विधानसभा चुनाव में भी कमलनाथ, दिग्विजय सिंह के बीच टिकट बंटवारे को लेकर मंच का सार्वजनिक विवाद सारे प्रदेशवासियों ने देखा था। आज भी कमोबेश कांग्रेस के बड़े नेताओं में यही स्थिति बनी हुई है। ऐसे में कांग्रेस द्वारा किया जाने वाला विरोध प्रदर्शन कितना जनमत को प्रभावित करेगा, यह समय ही उजागर करेगा।

विचार-मंथन

आखिर मणिपुर में कब थमेगी हिंसा...

मणिपुर में जातीय संघर्ष को दो वर्ष होने आ रहे हैं, मगर अब भी वहां स्थिति में कोई सुधार नजर नहीं आ रहा। हालांकि सरकार बार-बार दावा करती है कि वहां स्थिति जल्दी ही सामान्य हो जाएगी, पर इसका कोई संकेत नहीं दिखता। रविवार को इंफाल पूर्वी जिले में फिर दो चरमपंथी गुटों में हिंसक झड़प हो गई, जिससे वातावरण तनावपूर्ण हो गया है। यह घटना ऐसे वक्त हुई जब वहां छह न्यायाधीशों की एक टीम स्थिति का आकलन करने पहुंची थी। उस टीम में गए मैतेई समुदाय से संबंधित, वहां के उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश का इस बात पर दर्द भी छलक उठा कि वे कुकी बहुल इलाके में नहीं जा सकते। शुरू में राज्य सरकार की शिथिलता और रहस्यमय चुप्पी के चलते वहां जातीय संघर्ष बढ़ता गया और आज हालत यह है कि राज्य का प्रशासन भी मैतेई और कुकी समुदायों में स्पष्ट रूप से विभाजित हो चुका है। कुकी बहुल इलाकों में मैतेई समुदाय के सुरक्षाकर्मी और अन्य कर्मचारी तैनात नहीं किए जाते। यही हाल मैतेई बहुल इलाकों का है। लंबे समय तक राज्य सरकार की शिथिलता बनी रही और केंद्र सरकार ने भी अपेक्षित पहल नहीं की, तब सर्वोच्च न्यायालय ने मणिपुर की स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच और निगरानी समितियां गठित कर दीं, पर उसे भी काफी वक्त बीत जाने का बावजूद कोई उल्लेखनीय नतीजा सामने नहीं आ सका है। आखिरकार एक नाटकीय घटनाक्रम में वहां के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया और उनकी जगह किसी को कमान सौंपने के बजाय राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। तब माना गया कि केंद्र सरकार के हाथ में वहां की कमान आने के बाद कुछ कड़ाई होगी और चरमपंथी गुटों पर लगाम कसी जा सकेगी, जातीय संघर्ष कुछ थमेगा, पर वह उम्मीद भी धुंधलाने लगी है। मौका पाते ही दोनों समुदायों के चरमपंथी गुट रणनीति के तहत हिंसक हमले कर देते हैं। उन्होंने भारी मात्रा में आधुनिक हथियार और साजो-सामान जुटा रखे हैं। भौगोलिक रूप से मणिपुर की संरचना थोड़ी जटिल जरूर मानी जा सकती है, मगर चरमपंथी गुटों पर नजर रखना मुश्किल नहीं माना जा सकता। वहां बड़ी संख्या में सुरक्षाबल तैनात हैं, पर उन इलाकों में भी हिंसक घटनाएं नहीं रुक पा रहीं, जिनमें टकराव की सबसे अधिक आशंका मानते हुए सबसे अधिक सुरक्षाबल तैनात हैं। वहां के चुराचांदपुर और विष्णुपुर जिलों को इसलिए संवेदनशील माना गया और उन दोनों के बीच 'बफर जोन' बना कर बड़ी संख्या में सुरक्षाबल तैनात किए गए कि एक मैतेई बहुल है और दूसरा कुकी बहुल। फिर भी इन्हीं जिलों में अधिक चरमपंथी हमलों की घटनाएं होती हैं। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि मणिपुर में समस्याएं संवैधानिक तरीके से हल की जा सकती हैं और अगर बातचीत की जाए, तो समाधान तक पहुंचा जा सकता है। वहां कोई भी संघर्ष नहीं चाहता, हर कोई शांति चाहता है। न्यायाधीश गवई वहां गए न्यायाधीशों की टीम के अगुआ हैं। पता नहीं, उनकी इस बात को केंद्र सरकार कितनी गंभीरता से लेगी। यह बात शुरू से रेखांकित की जाती रही है कि अगर दोनों समुदायों से बातचीत की जाए और उनमें फैली गलतफहमियों को दूर कर लिया जाए, तो मणिपुर में शांति बहाली आसानी से हो सकती है। मगर कभी संजीदगी से बातचीत की पहल नहीं की गई। जो प्रयास हुए भी, वे महज कागजी थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बढ़ते कदम...

प्रह्लाद सबनानी

गत 21 से 23 मार्च तक बंगलूरू में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में दशहरा के पावन पर्व पर हुई थी, और इस प्रकार संघ अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है एवं इस वर्ष दशहरा के शुभ अवसर पर ही अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लेगा। संघ की स्थापना विशेष रूप से भारतीय हिंदू समाज में राष्ट्रीयत्व का भाव जागृत करने एवं हिंदू समाज के बीच समरसता स्थापित करने के लक्ष्य को लेकर हुई थी। इन 100 वर्षों के अपने कार्यकाल में संघ ने हिंदू समाज को एकजुट करने में सफलता तो हासिल कर ही ली है साथ ही विशेष रूप से समाज की सज्जन शक्ति में राष्ट्रीयत्व का भाव पैदा करने में सफलता अर्जित की है। सज्जन शक्ति समाज की वह शक्ति है कि जिनकी बात समाज में गम्भीरता से सुनी जाती है एवं उस पर अमल करने का प्रयास भी होता है। संघ ने अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु शाखाओं की स्थापना की थी। इन शाखाओं में देश की युवा पीढ़ी में राष्ट्रीयत्व का भाव जगाकर ऐसे स्वयंसेवक तैयार किए जाते हैं जो समाज के बीच जाकर देश के आम नागरिकों में राष्ट्र भावना का संचार करते हैं एवं समाज के बीच समरसता का भाव पैदा करने का प्रयास करते हैं। संघ द्वारा स्थापित की गई शाखाओं की

कार्यपद्धति पर आज विश्व के अन्य कई देशों में शोध कार्य किए जाने के बारे में सोचा जा रहा है कि किस प्रकार संघ द्वारा स्थापित इन शाखाओं से निकला हुआ स्वयंसेवक समाज परिवर्तन में अपनी महती भूमिका निभाने में सफल हो रहा है और पिछले लगातार 100 वर्षों से इस पावन कार्य में संलग्न है। हाल ही में, दिनांक 14 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक (44 दिन) प्रयागराज में लगातार चले एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए महाकुम्भ के मेले में पूरे विश्व से 66 करोड़ से अधिक हिंदू धर्मावलम्बियों ने पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। इतनी भारी संख्या में हिंदू समाज कभी भी किसी महान धार्मिक आयोजन में शामिल नहीं हुआ होगा और संभवतः पूरे विश्व में कभी भी इस तरह का आयोजन सम्पन्न नहीं हुआ होगा। इस महाकुम्भ में समस्त हिंदू समाज एकजुट दिखाई दिया, न किसी की जाति, न किसी का मत, न किसी के पंथ का पता चला। बस केवल सनातनी हिंदू हैं, यही भावना समस्त श्रद्धालुओं में दिखाई दी। इसी का प्रयास राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से करता आ रहा है। संघ द्वारा आज न केवल भारतीय हिंदू समाज को एकता के सूत्र में पिरोए जाने का कार्य किया जा रहा है बल्कि पूरे विश्व में अन्य देशों में निवासरत भारतीय मूल के हिंदू समाज के नागरिकों को भी एक सूत्र में पिरोए जाने का प्रयास किया जा रहा है। यह कार्य संघ के स्वयंसेवकों द्वारा संघ की शाखा में प्राप्त प्रशिक्षण के बाद सम्पन्न किया जाता है। संघ द्वारा संचालित शाखाओं की संख्या 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 के 73,117 से बढ़कर वर्ष 2025 में 83,129 हो गई है। इन शाखाओं के लगने वाले स्थानों की संख्या भी वर्ष 2024 में 45,600 से बढ़कर 51,710 हो गई है। विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना जगाने के उद्देश्य से विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थी संयुक्त शाखाएं भी देश के विभिन्न भागों में लगाई जाती हैं। विद्यार्थी संयुक्त शाखाओं की संख्या 17 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 20224 में 28,409 से बढ़कर वर्ष 2025 में 33,129 हो गई हैं। इसी प्रकार महाविद्यालयीन छात्रों के लिए भी विशेष शाखाएं लगाई जाती हैं। महाविद्यालयीन (केवल तरुणों के लिए) शाखाओं की संख्या 10 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 5,465 से बढ़कर वर्ष 2025 में 5,991 हो गई है। तरुण व्यवसायी शाखाओं की संख्या भी 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 21,718 से बढ़कर वर्ष 2025 में 24,748 हो गई है, इस शाखाओं में विशेष रूप से तरुणों को शामिल किया जाता है। प्रौढ़ व्यवसायी शाखाओं की संख्या 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 8,241 से बढ़कर वर्ष 2025 में 9,397 हो गई है एवं बाल शाखाओं की संख्या भी वर्ष 2024 में 9,284 से बढ़कर वर्ष 2025 में 9,864 हो गई है। बाल शाखाओं में छोटी उम्र के बालकों को शामिल किया जाता है। उक्त वर्णित शाखाओं के माध्यम से आज संघ का देश के कोने कोने में विस्तार सम्भव हुआ है। संघ की दृष्टि से देश भर में कुल खंडों की संख्या 6,618 है। इनमें से शाखायुक्त खंडों की संख्या वर्ष 2024 में 5,868 थी जो वर्ष 2025 में बढ़कर 6,112 हो गई है। साथ ही, कुल 58,939 मंडलों में से 30,770 मंडलों में संघ की शाखा लगाई जा रही है। देश भर में महानगरों के अतिरिक्त कुल 2,556 नगर हैं। इन नगरों में से 2,476 नगरों में संघ की शाखा पहुंच गई है। संघ द्वारा विभिन्न श्रेणियों यथा चिकित्सक, अधिवक्ता, शिक्षक, सेवा निवृत अधिकारी एवं कर्मचारी, पत्रकार, प्रोफेसर, युवा उद्यमी जैसी श्रेणीयों के लिए सामाहिक मिलन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। आज देश भर में 32,147 साप्ताहिक मिलन लगाए जा रहे हैं। साथ ही, संघ मंडलियों का गठन भी किया गया है और आज देश भर में 12,091 संघ मंडलियां भी नियमित रूप से लगाई जा रही हैं। भारत में संघ द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों को सम्पन्न करने की दृष्टि से 37,309 सेवा बस्तियां हैं। इनमें से 9,754 सेवा बस्तियां संघ की शाखा से युक्त हैं। संघ के स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से देश भर में प्राथमिक शिक्षा वर्ग भी लगाए जाते हैं। वर्ष 2023-24 में कुल 1,364 प्राथमिक शिक्षा वर्ग लगाए गए एवं इन प्राथमिक शिक्षा वर्गों में 31,070 शाखाओं के 106,883 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। वैश्विक पटल पर भी संघ का कार्य द्रुत गति पकड़ता दिखाई दे रहा है। विश्व के अन्य देशों में हिंदू स्वयंसेवक संघ कार्य कर रहा है। आज विश्व के 53 देशों में 1,604 शाखाएं एवं 60 साप्ताहिक मिलन कार्यरत हैं। पिछले वर्ष 19 देशों में 64 संघ शिक्षा वर्ग लगाए गए। विश्व के 62 विभिन्न स्थानों पर संस्कार केंद्र भी कार्यरत हैं। जर्मनी से इस वर्ष 13 विस्तारक भी निकले हैं।

इन आंखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा...

राजीव ओझा

कहते हैं न कि झूठ की उम्र बहुत छोटी होती है और सच की कोई उम्र नहीं होती, क्योंकि सच कभी मरता नहीं और सच को कभी दबाया नहीं जा सकता। आपको याद होगा कि जब 24 फरवरी 2022 को रूस-यूक्रेन युद्ध ने अचानक गंभीर रूप ले लिया था। जिसके चलते यूक्रेन में पढ़ रहे हजारों भारतीय छात्रों की जिंदगी संकट में पड़ गई थी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अपने देश के युवाओं के जीवन की रक्षा सर्वोपरि थी। पीएम मोदी ने रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपति से बात करके भारतीय छात्रों को सुरक्षित वतन वापसी के लिए सेफ पैसेज बनवाया, रूस ने कुछ देर के लिए हमले रोक दिए और भारत ने सभी छात्रों की सफलतापूर्वक घर वापसी सुनिश्चित की। उस समय विपक्ष ने खूब मजाक उड़ाया और तरह-तरह के फेक नेरेटिव और मीम्स गढ़े। अब जब रूस-यूक्रेन युद्ध को 3 साल पूरी हो चुके हैं, भारत में कांग्रेस के दिग्गज नेता शशि थरूर भी तब की गई अपनी गलती मान रहे हैं कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातों पर विश्वास न करके उन्हें झूठा समझ कर मजाक उड़ाया था, जो कि उनकी एक बड़ी गलती थी। हमेशा की तरह भारतीय नेता अपने देश और अपने प्रधानमंत्री पर ही सवाल उठा रहे थे जो कि गलत था। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने सार्वजनिक रूप से अपनी गलती स्वीकार कर ली है। शशि थरूर ही क्यों, ताकतवर देशों के बड़े-बड़े नेता भी अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातों को गंभीरता से लेते हैं। राष्ट्रपति पुतिन हों, या फिर राष्ट्रपति जेलेन्स्की और चाहे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, कोई भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात को हल्के में नहीं लेता। वर्तमान समय में जब पूरी दुनिया तीसरे विश्व युद्ध कि आशंका से जूझ रही है, दुनिया के सभी बड़े नेता मानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व शांति स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं और लगातार इसके लिए प्रयासरत हैं। विशेष रूप से रूस-यूक्रेन संघर्ष के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शांति प्रयासों को कई वैश्विक नेताओं ने सराहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी शांतिपूर्ण समाधानों में भारत की सक्रिय भूमिका, उनके कूटनीतिक प्रयासों के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया है। इस सच को झुठलाया नहीं जा सकता कि विश्व शांति की स्थापना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वपूर्ण भूमिका को अलग-अलग देशों ने समय-समय पर मान्यता दी है। आपको याद होगा।

मोदी-पुतिन संवाद में रूस के राष्ट्रपति पुतिन को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से सलाह दी थी कि यह युद्ध का युग नहीं है। पूरी दुनिया में इसको व्यापक रूप से कवर किया गया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव कम करने के आह्वान के रूप में सराहा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि भारत तटस्थता के बजाय हमेशा शांति के पक्ष में खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि संघर्षों का हल, युद्ध के मैदान पर नहीं बल्कि मध्यस्थता और परस्पर बातचीत के जरिए ही किया जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी का मनना है कि वह समय गया जब युद्ध के मैदान में आमने-सामने लड़ाई में हार-जीत होती थी। अब कूटनीति और परस्पर संवाद का समय है। बड़े देशों के नेताओं ने पीएम मोदी के इस दृष्टिकोण से सहमत हैं। एक और ताजा उदाहरण है पोलैंड के उप विदेश मंत्री व्लादिस्लाव टेओफिल बार्टोशेवस्की का हल ही में उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के आरंभ में पुतिन को सामरिक परमाणु हथियारों का उपयोग न करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजी किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह पहल प्रसंसनीय है। वैश्विक मंच पर यह भारत के प्रभाव, विशेष कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व को दर्शाता है। इसी तरह, फरवरी 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, शांति पहल का समर्थन करने में मोदी के प्रयासों का स्वागत किया गया, ट्रम्प ने वैश्विक स्थिरता को बढ़ावा देने में पीएम मोदी की भूमिका की प्रशंसा की। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी शांतिपूर्ण समाधानों में भारत की सक्रिय भूमिका, उनके कूटनीतिक प्रयासों के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया है। इस सच को झुठलाया नहीं जा सकता कि विश्व शांति की स्थापना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वपूर्ण भूमिका को अलग-अलग देशों ने समय-समय पर मान्यता दी है। आपको याद होगा।

माया‌पुरी की तरफ से भी स्टेशन के लिए मिलेगी एक और एंट्री

अगर कोई बड़ी अड़चन नहीं आयी तो अगले साल के अंत तक दिल्ली छावनी रेलवे स्टेशन का पूरा नक्शा बदला हुआ नजर आएगा। न सिर्फ इस स्टेशन पर मौजूदा एंट्री और एग्जिट की समस्या हल होगी बल्कि यहां एयरपोर्ट की तर्ज पर नई सुविधाएं भी विकसित हो जाएंगी। मुख्य एंट्री जनकसेतु से दी जाएगी और पिलर पर बनी रोड से पैसेंजर सीधे गाड़ी से स्टेशन के ऊपरी हिस्से में पहुंच जाएंगे। इसके अलावा इस स्टेशन को मायापुरी की ओर से एक नई एंट्री भी मिलेगी, जिससे कि पश्चिमी दिल्ली से इस स्टेशन पर आने जाने वाले यात्री सीधे प्लेटफॉर्म नंबर 5 के समीप ही स्टेशन पर पहुंच सकें। रेलवे सूत्रों का कहना है कि इस स्टेशन के रिडिवेलपमेंट का डिजाइन इस तरह से तैयार किया गया है कि यात्रियों को बार बार ऊपर या नीचे जाने की जरुरत ही न पड़े। एयरपोर्ट स्टाइल में ये स्टेशन दो मंजिला होगा। ग्राउंड फ्लोर पर प्लेटफॉर्म और ऊपर के हिस्से में कोनकोर्स होगा। दरअसल, अब तक इस स्टेशन की सबसे बड़ी दिक्कत इसकी लोकेशन है। स्टेशन के दोनों ओर बेहद कम जगह है जबकि साउथ की दिशा में जनकसेतु फ्लाईओवर है। ऐसे में धौला कुआं और जेल रोड की ओर से स्टेशन पर एंट्री करना आसान नहीं होता। एक ही वक्त में आमने सामने गाड़ियां आने से स्टेशन से एंट्री और एग्जिट करने वाले पैसेंजरों की गाड़ियां जाम में फंस जाती हैं। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि अब नए प्लान के तहत पिलर बनाकर उनके ऊपर कम से कम तीन तीन लेन चौड़ी रोड बनेगी। ये एलिवेटिड रोड पूरे स्टेशन को कवर करेगी यानी ऊपर ही ऊपर स्टेशन के चारों ओर गाड़ियां घूमकर वापस फ्लाईओवर पर आ सकेंगी। इस तरह से तिलक नगर की ओर से आने वाली गाड़ियां फ्लाईओवर पर चढ़ने के बाद उससे जुड़ने वाली रोड पर आ जाएंगी और वहीं कार, टैक्सी या ऑटो से पैसेंजर उतरेंगे। इसके साथ ही यहां इतनी जगह होगी कि वहीं पैसेंजर बैठकर ट्रेन का इंतजार कर सकेंगे। साथ ही वहां टिकट काउंटर और फूड कोर्ट भी होगा। इस तरह से जब पैसेंजर की ट्रेन प्लेटफॉर्म पर पहुंच रही होगी तो यात्री वहां से एलिवेटर या लिफ्ट से अपने प्लेटफॉर्म पर उतर सकेंगे। इस तरह से उन्हें पहले सामान लेकर उपर चढ़ने या नीचे उतरने की कवायद नहीं करनी होगी। रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक एलिवेटिड रोड इतनी चौड़ी होगी कि वहां एक ओर गाड़ियों की पार्किंग की भी व्यवस्था होगी। इसी तरह से जो यात्री ट्रेन से इस स्टेशन पर उतरेंगे। उनके लिए स्टेशन के दक्षिण और उत्तर दिशा में अलग से एलिवेटर और लिफ्ट होंगी ताकि वे उनसे ही एलिवेटिड रोड पर पहुंचे और अपनी गाड़ी लेकर सीधे जनकसेतु से धौला कुआं की ओर जाने वाली रोड पर उतर सकेंगे। लेकिन ऐसा नहीं कि नीचे से एंट्री बंद की जाएगी। अफसरों के मुताबिक नीचे से भी अगर यात्री आना चाहेंगे तो वे आ सकेंगे और सीधे नीचे ही प्लेटफॉर्म नंबर एक पर और मायापुरी की ओर से आने वाले सीधे प्लेटफॉर्म नंबर 5 की ओर भी आ सकेंगे। नई स्टेशन बिल्डिंग = इसके साथ ही रेलवे स्टेशन की नई बिल्डिंग भी बनाई जा रही है। नई बिल्डिंग तैयार होने के बाद मौजूदा बिल्डिंग को तोड़ दिया जाएगा। इस तरह से ग्राउंड लेवल पर भी स्टेशन की एंट्री पर इस तरह से रास्ता बनेगा कि गाड़ियां आमने सामने नहीं आएंगी बल्कि एक दिशा से आकर आगे से घूमकर वापस धौला कुआं की ओर जा सकेंगी। इसके अलावा मौजूदा स्टेशन बिल्डिंग के समीप ही एक मल्टीलेवल पार्किंग भी बनाई जाएगी, जिसमें दो सौ गाड़ियों के खड़ा करने की व्यवस्था होगी। इसी वजह से रेलवे ने तय किया है कि न सिर्फ एलवेटिड हिस्से में बल्कि ग्राउंड लेवल पर भी टिकट काउंटर बनाए जाएंगे।

राज्यसभा सांसद निधि से मंदसौर नगर को 01 करोड़ 34 लाख रुपए की राशि मिली

सभापतियों एवं पार्षदों ने श्री गुर्जर का आभार व्यक्त किया

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका लोक निर्माण विभाग समिति सभापति श्रीमती निर्मला नरेश चंदवानी ने बताया कि राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल जी गुर्जर ने मंदसौर नगर के विकास के लिए पार्षदों की मांग पर मंदसौर नगर में अपनी राज्यसभा निधि से 01 करोड 34 लाख रुपए की राशि दी है सांसद स्थानिय क्षेत्र विकास योजना राज्यसभा अंतर्गत नगर के विभिन्न वार्डों में क्षेत्रीय पार्षदों की मांग पर राशि स्वीकृत की है वार्ड क्रमांक 22 नंदराम कॉलोनी में सीसी कार्य हेतु 6 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 36 घोड़ेला कॉलोनी में सीसी कार्य हेतु 6 लाख 50 हजार, वार्ड क्रमांक 37 जमींदार कॉलोनी सेठीया वाली गली में सीसी कार्य हेतु 11 लख रुपए, वार्ड क्रमांक 16 खटीक मोहल्ला में सामुदायिक शेड निर्माण हेतु 11 लाख रूपये , वार्ड क्रमांक एक (किटीयानी) क्षेत्र में नाहर सेयद कॉलोनी गली नंबर एक व डायमंड किराना वाली गली में सीसी कार्य हेतु 12 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 4 इंदिरा कॉलोनी गली नंबर 1 में सीसी कार्य हेतु 13 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 5 ,शंखेश्वर नगर में सीसी कार्य हेतु 15 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 3 के नेमी नगर व मयूर कॉलोनी में सीसी कार्य हेतु 21 लाख रुपए, वार्ड मांग 03 कोठारी कॉलोनी में सीसी कार्य 24 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 33 प्रतापगढ रोड से हैदरवास की पुलिया तक माली मोहल्ला नागदेवता मंदिर तक डामरीकरण कार्य हेतु 13 लाख रुपए की राशि दी है, नानेश नगर वार्ड क्रमांक 6 में सीसी कार्य हेतु 10 लाख रुपए की राशि दी है नगर पालिका के सभी सभापतिगण पार्षदगण मंदसौर नगर को विकास कार्यों के लिए मिली इस धनराशि के लिए राज्य सभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर के प्रति आभार व्यक्त करते हैं तथा आसान्वित है कि आगामी समय में भी मंदसौर नगर के विकास के लिए राज्यसभा सांसद निधि से बडी राशि नगर के विकास के लिए प्राप्त होगी।

कल होगा सूर्य उपासना कार्यक्रम

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा बताया गया कि भगवान पशुपतिनाथ मंदिर आराधना हाल में 30 मार्च को प्रात: 9 बजे सूर्य उपासना का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। विक्रम संवत 2082 का शुभारम (नववर्ष प्रतिपदा, गुडी पडवा) ईसवी कलैण्डर 30 मार्च 2025 को हो रहा है। इस अवसर पर सूर्य उपासना के कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में प्रस्तुति दल द्वारा मंच पर ब्रह्म ध्वज का वंदन किया जाएगा। विक्रम संवत भारतीय कालगणना पर केंद्रित जानकारी भी प्रदान की जाएगी। सम्राट विक्रमादित्य पर आधारित नाट्य का मंचन किया जाएगा। नाट्य प्रस्तुति सम्राट विक्रमादित्य का मंचन नाट्य दल निर्देशन श्री नन्दन चावडा, प्रस्तुति संवाद क्रिएटिव कम्युनिकेशन चिल्ड्रनस वेलफेयर सोसायटी, उज्जैन द्वारा किया जायेगा।

पं. सत्यनारायण शर्मा के मुखारविंद से श्री राम कथा का आयोजन साबाखेड़ा में

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। ग्राम साबाखेडा में कथा व्यास पंडित सत्यनारायण शर्मा के मुखारविंद से 9 दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन इस चैत्र नवरात्रि मे होने जा रहा है। कथास्थल धर्मराज महाराज मंदिर,ग्राम साबाखेडा,इंदिरा कॉलोनी,कानाखेडा जिला मंदसौर रहेगा।इस भव्य श्रीराम कथा के अंतर्गत चैत्र नवरात्रि प्रथम दिवस, हिन्दू नववर्ष, गुडी पडवा 30 मार्च रविवार को 7:45 से 9:15 तक कलश यात्रा के साथ कथा का शुभारम्भ होगा।घट स्थापना 30 मार्च रविवार को सुबह 11:45 से 12 15 तक होगी।प्रतिदिन कथा का समय प्रात: 11:30 से 3:30 तक रहेगा।कथा विराम व पूर्ण आहुति 7 अप्रैल सोमवार को प्रात:9:15 से 12:15 तक रहेगी।इसके पश्चात् महाप्रसादी वह भोग प्रसादी सायं 4:00 बजे रहेगी। कथास्थल पर धर्मराज जी मंदिर साबाखेडा मे श्री धर्मराज जी महाराज का दरबार 6 अप्रैल रविवार को सायं 4:00 बजे से 6:00 बजे तक लगाया जाएगा। जहाँ सभी की अर्जिया स्वीकार की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने जिले के 583 श्रमिक परिवारों को 12 करोड़ का हितलाभ प्रदान किया

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंत्रालय भोपाल से मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना अंतर्गत मंदसौर जिले के 583 श्रमिक परिवारों को 12 करोड 56 लाख रुपए की अनुग्रह सहायता प्रदान की। वही प्रदेश के 23 हजार 162 श्रमिक परिवारों को 505 करोड रुपए की अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की। अनुग्रह सहायता राशि वितरण के दौरान मंदसौर एनआईसी कक्ष से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने हितग्राही अंजलि रैकवार से संवाद किया। अंजली से संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि दुख की घडी में हम सब आपके साथ हैं। सरकार की सद्भावना, सरकार की संवेदना हमेशा आपके साथ हैं। इस दौरान मंदसौर एनआईसी कक्ष में कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, नगर पालिका अध्यक्षा श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जनपद अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, जिला श्रम अधिकारी, संबल योजना के हितग्राही मौजूद थे।

फार्मा इंडस्ट्री में एआई की क्रांति, चुनौतियां और नए अवसरों पर राष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर विश्वविद्यालय के बी.आर. नाहटा कॉलेज ऑफ फार्मेसी और भारतीय फार्मास्युटिकल शिक्षक संघ, मध्य प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में फार्मास्युटिकल उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभाव और संभावनाओं पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन का शीर्षक था फार्मा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- चुनौतियां और अवसर ।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल के पूर्व महानिदेशक डॉ. राकेश आर्य उपस्थित रहे। उन्होंने ष्जेन-ज़ी की भूमिका सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति मेंष् विषय पर अपने विचार साझा किए और इस पर बल दिया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक हो सकता है। डॉ. आर्य ने कहा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। यह न केवल अनुसंधान प्रक्रियाओं को तेज कर रहा है, बल्कि नैदानिक परीक्षणों और फार्मास्युटिकल अनुप्रयोगों को भी अधिक कुशल बना रहा है। राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रमुख वक्ताओं में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल के सहायक प्रोफेसर डॉ. रामसिंह नवीन के. चौधरी और डॉ. अनूप चक्रवर्ती ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मंदसौर विश्वविद्यालय के डीन ऑफ एकेडमिक्स डॉ. अरुणवा दास उपस्थित रहे। उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डाला और फार्मा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर अपने विचार साझा किए। डॉ. दास ने कहा कि एआई तकनीक फार्मास्युटिकल उद्योग में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है, जिससे अनुसंधान और विकास को गति मिलेगी, नैदानिक परीक्षण अधिक प्रभावी होंगे और मरीजों को व्यक्तिगत चिकित्सा समाधान उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा, ष्भविष्य में, फार्मास्युटिकल उद्योग में एआई का प्रभाव और अधिक बढ़ेगा, जिससे नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और जटिल स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान संभव होगा। इस सम्मेलन ने फार्मा उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व को उजागर किया और इस तकनीक के माध्यम से इस क्षेत्र में सुधार और नवाचार के अवसरों को प्रस्तुत किया। इस सम्मेलन में कई प्रमुख शिक्षक और विशेषज्ञ भी उपस्थित थे।

परमाणु ऊर्जा के माध्यम से बिजली उत्पादन क्षमता को लेकर सांसद गुप्ता द्वारा लोकसभा में प्रश्न के जवाब में राज्यमंत्री ने कहा...

भारत की परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता पिछले एक दशक में दुगनी हुई

मंदसौर/नीमच, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भारत में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक कदम उठाए गए। भारत की परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता पिछले एक दशक में दुगनी हुई है। इसको 2031-32 तक तीगुना करने के लक्ष्य की ओर बढ रहे है। यह बात राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय डॉ. जितेंद्र सिंह ने सांसद सुधीर गुप्ता के एक प्रश्न के जवाब में दी। प्रश्न काल के दौरान सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि सरकार परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम से विद्युत उत्पादन के लिए किसी स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकी पर काम कर रही है और परमाणु ऊर्जा उत्पादन के माध्यम से देश की वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता कितनी है। यह स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकी किस हद तक देश की विदेशी पर निर्भरता को कम करेगी और देश में विद्युत की कमी की समस्या का समाधान करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने ईंधन की आपूर्ति के लिए किसी देश/देशों के साथ कोई समझौता किया है, जो परमाणु ऊर्जा के माध्यम से विद्युत उत्पादन में प्रमुख बाधा है। इस पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि देश में वर्तमान स्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता 8180 मेगावाट है। दिनांक 17 मार्च, 2025 को 700 मेगावाट क्षमता का एक और रिएक्टर ग्रिड से जोडा गया है, जिससे क्षमता बढ़कर 8880 मेगावाट हो गई है। भारत दीर्घकालिक ऊर्जा संरक्षा और देश के नाभिकीय संसाधनों के अनुकूल उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए स्वदेशी, त्रि-चरणीय नाभिकीय विद्युत कार्यक्रम का अनुसरण करता है। दाबित भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) कार्यक्रम के प्रथम चरण के रिएक्टर है। उनकी इकाई क्षमता 220 मेगावाट से 540 मेगावाट और फिर 700 मेगावाट तक बढ चुकी है। स्वदेशी 700 मेगावाट पीएच डब्ल्यूआर अब निकट और मध्यम अवधि में देश के नाभिकीय ऊर्जा विस्तार कार्यक्रम का मुख्य आधार होगा। भारत लघु रिएक्टर (बीएसआर) नाम के मानक 220 मेगावाट पीएच डब्ल्यू आर, जिसका साबित सुरक्षा और निष्पादन रिकॉर्ड है, उनको भूमि की आवश्यकता को कम करने और स्वोत्पाद (कैप्टिव) विद्युत संयंत्र के रूप में उपयोग के लिए उद्योगों के निकट स्थापित करने योग्य बनाने के लिए उन्नत किया जा रहा है। उन्होने बताया कि वर्तमान में, 8880 मेगावाट की कुल क्षमता वाले 25 नाभिकीय ऊर्जा रिएक्टर मौजूद हैं, जिनमें से 21 रिएक्टर पीएचडब्ल्यूआर हैं, जो कुल मौजूदा क्षमता का 60 प्रतिशत से अधिक है। वर्ष 2031-32 तक नाभिकीय विद्युत क्षमता को 22480 मेगावाट तक बढ़ाने की योजना है, जिसमें से 15160 मेगावाट क्षमता पीएचडब्ल्यूआर से प्राप्त की जाएगी। इसके अलावा, भारत सरकार का विचार मौजूदा और उभरती नई प्रौद्योगिकियों के आधार पर वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट नाभिकीय विद्युत प्राप्ति का है, जो निश्चित रूप से देश में बिजली की कमी की समस्या का समाधान करने में सहायक होगी। इसी के साथ ही विदेशी के संबंध में एकमात्र मौजूदा दीर्घकालिक यूरेनियम प्रापण समझौता मेसर्स नावोइयुरन स्टेट कंपनी, उज्बेकिस्तान के साथ है। यह अनुबंध 2026 तक और कुल मात्रा 1100चढ्णके लिए वैध है।

आर्य समाज का स्थापना दिवस कल मनाया जाएगा

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। आर्य समाज मंदसौर में गुडी पडवा, 30 मार्च रविवार को आर्य समाज का 150वां स्थापना दिवस मनाया जाएगा।

उक्त जानकारी देते हुए आर्य समाज के प्रधान मधुसूदन आर्य ने बताया कि रविवार को प्रात: 9 बजे 11 कुण्डीय यज्ञ का आयोजन होगा। यज्ञ में नारकोटिक्स कमिश्नर नीमच श्री राजेश पारीख सहित आर्य समाजी द्वारा आहुति दी जाएगी। यज्ञ पश्चात् भजन व प्रवचन आयोजित होंगे। उसके पश्चात् प्रसादी का आयोजन रखा गया है। आर्य समाज ने सभी आर्यसमाजियों एवं धर्मालुजनों से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

नववर्ष की पूर्व संध्या निकलेगी वाहन रैली

कल गुड़ी पड़वा पर मंदिरों में होंगे आयोजन, रोशनी से जगमग होंगे मंदिर, महाआरती के साथ होगी आतिशबाजी

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। हिंदू उत्सव समिति के तत्वाधान में नववर्ष की पूर्व संध्या 29 मार्च 2025, शनिवार को विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया है। यह वाहन रैली जिला मुख्यालय पर स्थित गांधी चौराहा से प्रारंभ होकर पुन: गांधी चौराहे पर ही समाप्त होगी। यह जानकारी देते हुए हिंदू उत्सव समिति के रैली संयोजक श्री आनंद तंवर ने बताया कि हिंदू उत्सव समिति द्वारा रैली को विशाल रूप देने के लिए नगर के विभिन्न वार्डों में बैठक करने के साथ ही गांव-गांव में भी कार्यकर्ता से अधिक से अधिक संख्या में रैली में युवा जन शामिल हो इसको लेकर बैठक कर रहे हैं। इसके साथ ही नववर्ष के दिन 30 मार्च 2025, रविवार को नगर के विभिन्न मंदिरों पर पूजा, महाआरती एवं ध्वजा चढ़ाने का कार्यक्रम भी किया जाएगा। ध्वजारोहण व महाआरती क्षेत्र की विभिन्न मंदिर समितियां एवं सामाजिक संगठन मिलकर करेंगे। नगर व आसपास क्षेत्रों के मंदिरों को रोशनी से सजाया जाएगा व यहां पर आतिशबाजी कर नव वर्ष की आगमन का उत्सव मनाया जाएगा। रैली संयोजक श्री तंवर ने बताया कि इसको लेकर हिंदू उत्सव समिति द्वारा 60 से अधिक मंदिरों पर संपर्क कर बैठक की गई और यह अभियान जारी है। सभी तय मंदिरों पर आतिशबाजी व महा आरती का समय सायं 8:00 बजे निर्धारित किया गया है। श्री तंवर ने अपील की है कि सभी सनातन धर्मी नववर्ष के उत्सव को उत्साह के साथ मनाएं और तय समय 8 बजे एक साथ आयोजन कर आयोजन की गरिमा को बढ़ाएं।

युवा प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने की आज वाहन रैली में सम्मिलित होने की अपील

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। हिंदू उत्सव समिति के तत्वाधान में नववर्ष की पूर्व संध्या 29 मार्च 2025, शनिवार को विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया है। यह वाहन रैली जिला मुख्यालय पर स्थित गांधी चौराहा से प्रारंभ होकर पुन: गांधी चौराहे पर ही समाप्त होगी।

जिला युवा प्रेस क्लब अध्यक्ष चरण राजपाल, सचिव चित्रेश सोनी चन्दू, उपाध्यक्ष अशोक परमार, संयुक्त सचिव विजयेन्द्र फांफरिया और कोषाध्यक्ष ललित भोटी ने हिन्दू उत्सव समिति द्वारा आयोजित विशाल वाहन रैली में सभी समस्त हिन्दू समाज से अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होने की अपील की है। इसके साथ ही नववर्ष के दिन 30 मार्च 2025, रविवार को नगर के विभिन्न मंदिरों पर पूजा, महाआरती एवं ध्वजा चढ़ाने का कार्यक्रम भी किया जाएगा जिसमें भी सभी जनों की सहभागिता हो यह निवेदन किया है। पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से बताया कि सभी तय मंदिरों पर आतिशबाजी व महा आरती का समय सायं 8:00 बजे निर्धारित किया गया है एवं सभी सनातन धर्मी नववर्ष के उत्सव को उत्साह के साथ मनाएं और तय समय 8 बजे एक साथ आयोजन कर आयोजन की गरिमा को बढ़ाएं।

चिन्हित एवं जघन्य सनसनीखेज प्रकरण में आरोपी को हुआ आजीवन कारावास

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पंचम अपर सत्र न्यायधीश महोदय, मंदसौर द्वारा आरोपी भगतसिंह पिता रामसिंह चुण्डावत उम्र 24 साल निवासी- नयापुरा मंदसौर को हत्या करने के अपराध में दोषी पाते हुए आजीवन कारावास और 25 हजार रूपए अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा द्वारा घटना के संबंध में बताया कि दिनांक 10.06.2021 को रात्रि लगभग 10 बजे फरियादी गोपाल सिखवाल अपने घर पर था, तभी मोहल्ले के मुन्नाभाई ग्वाला लाईट वाले ने आकर उसे बताया था कि मेरे सामने तुम्हारे भाई राकेश सिखवाल को भगतसिंह ने पेट में चाकू मार दिया है तथा राकेश के पेट से खून निकल रहा है एवं वह जगदीश मंदिर के सामने गिरा पडा है जिस पर वह दौडकर जगदीश मंदिर के पास गया था और वहां देखा कि उसका भाई राकेश तडप रहा था, राकेश ने हल्की आवाज में उसे कहा था कि भगतसिंह राजपूत ने मेरे पेट में चाकू मार दिया है, मुझे अस्पताल ले चलो तभी मौके पर गोलू डगवार, मनीष सोनी, विशाल सोनी एवं फिरोज खान आ गये थे फिर वह अपनी कार निकालकर लाया था और सभी लोग राकेश को गाडी में बैठाकर सरकारी अस्पताल मंदसौर ले गये थे जहां इलाज के दौरान राकेश की मृत्यु हो गयी थी। आरोपी भगत ने कुछ दिन पहले भी रूपयों के लेनदेन को लेकर राकेश के साथ मारपीट की थी परंतु मोहल्ले में समझाईश देकर मामला खत्म हो गया था, उसके भाई राकेश की हत्या भगतसिंह ने चाकू मारकर कर दी है। फरियादी गोपाल की सूचना पर से पुलिस थाना कोतवाली द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी भगतसिंह को गिरफतार किया गया। प्रकरण में संपूर्ण विवेचना पूर्ण कर आरोपी के विरूद्ध अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए शासन द्वारा इसे चिन्हित एवं जघन्य-सनसनीखेज की श्रेणी में रखा गया था। माननीय न्यायालय के समक्ष अभियोजन द्वारा रखे गये तथ्यों एवं तर्कों से सहमत होकर आरोपी भगतसिंह को आजीवन कारावास एवं 25000/-रू अर्थदंड से दंडित किया गया। प्रकरण में अभियोजन का सफल संचालन विशेष लोक अभियोजक दीपक जमरा द्वारा किया गया।

भगवान श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर की दानपात्रों से मिली 3 लाख 27 हजार रू. की राशि

02 को प्रसिद्ध भजन गायक गोकुल शर्मा की भजन संध्या, आज होगी महाआरती व महाप्रसादी

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। ग्राम लदूसा स्थित मालवा क्षेत्र के प्रसिद्ध भगवान श्री लक्ष्मीनारायण (सांवलिया सेठजी) मंदिर में रखी दानपेटियों को कृष्ण पक्ष की चौदस 28 मार्च, शुक्रवार को गणना की गई। दानपेटियों से 3 लाख 27 हजार 925 रू. की दान राशि प्राप्त हुई। जिसे मंदिर समिति के बैंक खाते में जमा की जाएगी। आज 29 मार्च, शनिवार अमावस्या को महाआरती व महाप्रसादी का आयोजन किया गया है।

उक्त जानकारी देते हुए मंदिर समिति के महेश व्यास लदूसा ने बताया कि यह मंदिर अंचल ही नहीं पूरे देश में ख्याति अर्जित करता जा रहा है। यहां विराजित भगवान श्री सांवलिया सेठजी के दर्शनार्थ दूर-दूर से भक्त आ रहे है तथा अपनी मनोकामनाएं पूर्ण कर रहे है। मंदिर में होने वाले भव्य धार्मिक आयोजन दर्शनार्थियों को अपनी और आकर्षित कर रहे है। मंदिर समिति द्वारा दर्शनार्थियों के विश्राम एवं समिति के कार्यालय के लिये मंदिर के समीप वरदीचंद पिता हीरालाल धाकड (वीर) का मकान 22 लाख 51 हजार रू. में क्रय किया है। जिससे अब दर्शनार्थियों को सुविधा होगी। महेश व्यास लदूसा ने बताया कि आगामी 2 अप्रैल, बुधवार सायं 8 बजे को सांवरिया सेठ के प्रसिद्ध भजन गायक गोकुल शर्मा की भव्यातिभव्य भजन संध्या का मंदिर के पीछे स्थित परिसर में आयोजन होने जा रहा है। इसके पूर्व 2 अप्रैल को प्रात: 10 से दोप. 2 बजे तक सांवरिया सेठ का महाअभिषेक होगा व सायं 4 बजे से विशाल भण्डारा व सायं 7 बजे से महाआरती व महाप्रसादी छप्पन भोग का आयोजन होगा। जिसमें हजारों श्रद्धालु पहुंचेंगे। महेश व्यास लदूसा ने बताया कि आज 29 मार्च, शनिवार को अमावस्या के दिन सायं 7 बजे मंदिर में महाआरती का आयोजन रखा गया है। उसके पश्चात् महाप्रसादी का आयोजन किया गया है जिसके लाभार्थी श्री ओमप्रकाश पिता रामलाल धनगर निवासी लदूसा परिवार रहेंगे। मंदिर समिति ने सभी धर्मालुजनों से महाआरती व महाप्रसादी में पधारकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

सरस्वती विद्या मंदिर उमावि केशव नगर में कक्षा द्वादश का दीक्षांत समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती विद्या मंदिर केशव् नगर मे स्नेहांजलि (दीक्षांत समारोह) का आयोजन किया गया जिसमे कक्षा एकादश के भैया बहिनों द्वारा द्वादश के भैया बहिनों के लिए दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम मे पधारे अतिथि मुख्य अतिथि श्री राघवेंद्र देराश्री (विभाग समन्वयक महोदय मंदसौर विभाग), विशिष्टअतिथि श्री पुष्पेंद्रसिंह जी (थाना प्रभारी थाना शहर कोतवाली मंदसौर), कार्यक्रम अध्यक्ष श्री मिलिन जी व्यास (सचिव प्रो राजेंद्रसिंह शिक्षण समिति) एवं श्री संतोष जी यादव (प्राचार्य केशव नगर मंदसौर) मंचासीन रहे। साथ हि समिति के कोषाध्यक्ष श्री नितेश जी भदादा, समिति सदस्य श्रीमती पायल जी कियावत, केशव नगर के प्रधानाचार्य श्री राजपालसिंह जी सिसौदिया, अभिनन्दन नगर के प्रधानाचार्य श्री मुकेश जी पाठक एवं आचार्य पारिवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के पूजन के साथ हुआ! अतिथि परिचय कक्षा एकादश की बहिन दीपिका सिसोदिया एवं स्वागत कक्षा द्वादश की बहिन निशा जाट व भैया सुखदेव पाटीदार ने किया। विशिष्ठअतिथि द्वारा भैया बहिनों को संकल्प दिलाया गया एवं मार्ग दर्शन किया कि शिक्षा दो प्रकार की होती है, पाठ्यक्रम शिक्षा एवं व्यवहारिक शिक्षा किताबी शिक्षा तो सभी प्राप्त कर सकते है, लेकिन व्यवहारिक शिक्षा एवं संस्कार शिशु मंदिर के आचार्य द्वारा दिये जाते है। मुख्य अतिथि श्री विभाग समन्वयक महोदय ने मार्गदर्शन दिया कि आप जिस भी क्षेत्र मे जाये जो अपना लक्ष्य हो उसे प्राप्त करे, लेकिन साथ में माता पिता के लिए अच्छा पुत्र साबित हो, परिवार की देखभाल करना, अच्छा मित्र बनकर रहोगे तो आपका जीवन सफल हो जायेगा साथ हि भैया बहिनों से जीवन के कर्तव्य, आध्यात्म एवं नैतिक मूल्यों से आधारित प्रश्न किये जिसका उत्तर बडे हर्ष के साथ दिया एवं उन्हे सम्मानित भी किया गया।

संभागायुक्त ने भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन कर पूजा अर्चना की

सिंहस्थ को देखते हुए शिवना नदी, 10 नंबर नाका रोड, नालछा माता रोड, पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता ने मंदसौर स्थित भगवान पशुपतिनाथ मंदिर, सहस्त्र शिवलिंग, तापेश्वर महादेव के दर्शन किए। पूजा अर्चना की तथा जिले वासियों की सुख शांति समृद्धि कामना की। दर्शन के बाद सिंहस्थ 2028 को देखते हुए शिवना नदी, 10 नंबर नाका रोड, नालछा माता रोड, पशुपतिनाथ पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कहा कि, पशुपतिनाथ मंदिर स्थित गेस्ट हाउस के कमरों का रिनोवेशन करे। पार्किंग स्थल को और डेवलप करे। गार्डन विकसित करें। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल मौजूद थे।

श्री संकट मोचन हर्कियाखाल बालाजी पर होंगे धार्मिक आयोजन

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। चमत्कारिक श्री संकट मोचन हर्कियाखाल बालाजी मंदिर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गुरूदेव श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा के पावन सानिध्य में 26 वां चैत्र नवरात्रि एवं भगवान हनुमान जन्मोत्सव का 15 दिवसीय भव्य आयोजन 30 मार्च चैत्र सुधि एकम से आरंभ हो रहा है। 30 मार्च रविवार को प्रात: 10.15 बजे घटस्थापना होगी एवं रात्रि में 7.30 बजे संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा तथा 12 अप्रेल चैत्र सुधि पूर्णिमा को भव्य हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

हनुमान जयंति पर महाआरती एवं हवन पुर्णाहुति में अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, डी.वॉय पाटील विद्यापीठ पुणे के कुलपति डॉ. पी.डी. पाटिल, मंदसौर संसदीय क्षेत्र सांसद सुधीर गुप्ता, चित्तौढ के सांसद श्री सीपी जोशी, मंदसौर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजेश दीक्षित, नीमच विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार, सुवासरा विधायक श्री हरदीपसिंह डंग, गरोठ विधायक श्री चंदर सिंह सिसौदिया, निम्बाहेडा विधायक श्रीचन्द्र कृपलानी, नीमच जिला कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा, नीमच जिला पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल, मंदसौर जिला पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, मंदसौर के पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसौदिया, उद्योगपति श्री विशाल गोयल, वैश्य महासम्मेलन के संभागीय अध्यक्ष श्री संतोष चौपड़ा उपस्थित रहेंगे। इस आशय की जानकारी देते हुए श्री संकट मोचन हर्कियाखाल बालाजी मंदिर समिति एवं पारमार्थिक टएस्ट के उपाध्यक्ष श्री नरेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि इस बार हनुमान जन्मोत्सव के तहत 31 मार्च से 3 अप्रेल तक श्रीराम कथा एवं हनुमंत कथा का विराट आयोजन किया जा रहा है। कथा में पावन सानिध्य पूज्य दीदी माँ साध्वी ऋतुम्बरा की सुशिष्या सुप्रसिध्द भागवत प्रवक्ता साध्वी समाहिता देवी वृंदावन धाम श्रीराम कथा एवं श्री हनुमंत कथा का भक्तों को अमृतपान करवाएगी। कथा प्रतिदिन रात्रि 7.30 बजे से आरंभ होगी। कथा के प्रथम दिवस 31 मार्च को शिव-पार्वती विवाह एवं श्रीराम जन्मोत्सव। द्वितीय दिवस 1 अप्रेल को श्रीराम जानकी विवाह महोत्सव। 2 अप्रेल को हनुमंत चरित्र एवं 3 अप्रेल को चतुर्थ दिवस भक्त चरित्र पर कथा होगी। श्री अग्रवाल ने बताया कि 4 अप्रेल से 11 अप्रेल प्रतिदिन रात्रि 7.30 बजे से श्रीराम लीला महोत्सव का भव्य आयोजन होगा। रामलीला के मंचन में भारत के सुप्रसिध्द श्री धर्मप्रचारक रामलीला मण्डल काशी बनारस की टीम आएगी। 6 अप्रेल चैत्र सुधी रामनवमी को प्रात: 8 बजे संगीतमय सुंदरकांड का पाठ रखा गया है तथा प्रात: 11.15 बजे भगवान श्री बालाजी को छप्पन भोग अर्पित कर भव्य महाआरती होगी। 12 अप्रेल शनिवार हनुमान जयंति को प्रात: 8 बजे से पं. श्री दशरथभाईजी के सानिध्य में श्रीराम मारूती यज्ञ आरंभ होगा तथा 9.30 बजे हवन आरंभ होगा तथा पूर्णाहुति पश्चात महाआरती एवं प्रात: 10 बजे से भगवान बालाजी की इच्छा तक विशाल भण्डारा महाप्रसादी का आयोजन होगा।

वरिष्ठों ने किया सीसी सड़क का भूमिपूजन

दलौदा, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। ग्राम पंचायत टोलखेड़ी के नाईखेड़ी में 5 लाख रुपए की लागत की सी सी सड़क ग्राम पंचायत द्वारा बनाई जा थी हे जिसका भूमिपूजन गांव के सरपंच श्री मति रेखा ईश्वरलाल रावत ने गांव के वरिष्ठों से करवाने का निर्णय लिया तो गुरुवार को गांव के वरिष्ठों ने किया इस अवसर पर सरपंच श्री मति रेखा ईश्वर लाल रावत, प्रकाश रावत, रामलाल रावत, गोरधनलाल मीना, मदन मीना, कैलाश चंद्र मीना, भगीरथ रावत, राधेश्यामा। रावत, मदन लाल मिना, मोहन लाल मिना, लक्ष्मीरायण रावत, किशोर रावत, ईश्वर लाल मिना, सचिव नरेंद्र चौधरी उपस्थित थे पूजन पंडित तेजकरण शर्मा द्वारा किया गया।

पोरवाल समाज का होली मिलन समारोह सम्पन्न

दलौदा, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। रंग तेरस के पावन अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जांगड़ा पोरवाल समाज दलौदा का होली मिलन समारोह कार्यक्रम खेड़ापति बालाजी मंदिर दलौदा पर आयोजित हुआ होली मिलन कार्यक्रम में दलौदा नगर के समस्त समाज जन उपस्थित रहे साथ ही समस्त समाज जन द्वारा रंग गुलाल के साथ होली खेली साथ ही महिलाओं द्वारा गेम का आयोजन किया गया ओर गेम में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को इनाम दिया गया साथ ही समाज जन द्वारा आने वाले अगले वर्ष में 18 मार्च को राजा टोडर मल जी महाराज की जयंती मनाने का निर्णय लिया ओर जो कि पूरे दलौदा नगर में भ्रमण करेगी होली मिलन समारोह में समाज के सभी प्रमुख समाज जन उपस्थित थे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार भूमि अधिग्रहण कानून के विरोध में प्रेस वार्ता सम्पन्न

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश सरकार के भूमि अधिग्रहण कानून 2025 के विषय मे आज जिला कॉंग्रेस कार्यालय मंदसौर मे पत्रकार वार्ता आयोजित की गई जिसमे प्रदेश प्रवक्ता व मंदसौर नीमच के मीड्यिा प्रभारी श्री समर सिंह, प्रदेश सचिव परशुराम सीसोदिया, जिला संगठन मंत्री राजेश सिंह रघुवंशी, जिला कॉंग्रेस प्रवक्ता श्री राजनारायण लाढ, जिला महिला कॉंग्रेस अध्यक्ष श्रीमती रूपल संचेती उपस्थित थे।

प्रदेश प्रवक्ता श्री सिंह ने बताया की यह कानून न केवल किसानों के लिए अन्यायपूर्ण है, बल्कि बड़े व्यापारियों और भूमाफियाओं को फायदा पहुंचाने की एक सुनियोजित साजिश है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि देश में किसान आत्महत्याओं की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में सरकार का यह निर्णय किसानों की समस्याओं को और गहरा करेगा। यह कानून कृषि भूमि को जबरन हड़पने का रास्ता खोल सकता है, जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय किसान पूरी तरह बेबस हो जाएंगे।

मध्यप्रदेश में किसानों पर बढ़ते अत्याचार–प्रदेश में किसानों पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। मंदसौर जिले में किसान प्रभुलाल मेघवंशी को न्याय की मांग करने पर प्रशासन ने प्रताड़ित किया और उनकी फसल व 200 संतरे के पेड़ नष्ट कर दिए। नीमच जिले में सीमांकन की माँग करने वाले एक बुजुर्ग किसान को थाने में भूखा-प्यासा 6 से 7 घंटों तक बैठाए रखा गया।

सिंहस्थ क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण के लिए कहा–सरकार द्वारा संतों के लिए भूमि अधिग्रहण और विकास के नाम पर जमीन लेने की बात कही जा रही है, जबकि 13 अखाड़ों के संतों का स्पष्ट कहना है कि उनके पास पहले से ही पर्याप्त भूमि उपलब्ध है। सिंहस्थ मेला 2028 के लिए शासन जिस स्थान पर भूमि उपलब्ध करवाएगा, वहां अखाड़े अपनी व्यवस्था कर लेंगे। कांग्रेस पार्टी ने किसानों के अधिकारों और इस काले कानून के विरोध में व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इसके तहत प्रभात फेरियां, गांव के चौपालों पर चर्चा, जन जागृति कार्यक्रम और सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। कांग्रेस पार्टी तब तक संघर्ष करती रहेगी जब तक कि सरकार इस कानून को पूरी तरह वापस नहीं ले लेती।

हिन्दू नववर्ष पर हम सभी को अपने घर के ऊपर भगवा प्रताका ध्वज अवश्य फहराना चाहिए-पाण्डेय

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। 30 मार्च को गुडी पड़वा पर हिन्दू नववर्ष मनाया जाएगा। हिन्दू नववर्ष पर हम सभी को अपने निवास घर के उपर भगवा प्रताका ध्वज अवश्य फहराना चाहिए व प्रात:काल सूर्योदय के समय भगवान सूर्य देव को अर्घ्य भी अवश्य देना चाहिए। उक्त आव्हान हिन्दूजनों से समाजसेवी रविन्द्र पाण्डेय ने करते हुए कहा कि सूर्य को जल चडाते समय इन मत्रों का भी अवश्य जप करना चाहिए जिससे जीवनशैली में बहुत बडा सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा।

मंत्र- ✻ ऊँह्रीं ह्रीं सूर्याय नम: ✻ ऊँसूर्याय नम: ✻ ऊँघृणि सूर्याय नम: ✻ ऊँआदित्याय नम: ✻ ऊँभूर्भुव: स्व: तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो न: प्रचोदयात् (गायत्री मंत्र) ✻ ऊँ भास्कराय नम:। श्री पाण्डेय ने बताया कि हिंदू धर्म में गुड़ी पड़वा का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है. इस दिन से हिंदू नववर्ष प्रांरभ होता है। ब्रह्म पुराण के अनुसार भगवान ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टिका सृजन किया था। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक का शुभ दिन है। चैत्र नवरात्रि का प्रांरभ माँ दुर्गा की उपासना युगाब्द (युधिष्ठिर संवत) का आरम्भ तथा उनका राज्याभिषेक, उज्ञयिनी सम्राट- विक्रमादित्य द्वारा विक्रमी संवत् प्रारम्भ, शालिवाहन शक संवत् (भारत सरकार का राष्ट्रीय पंचांग) का प्रारम्भ, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक परमपूज्य केशव बलिराम हेडगेवार जी का जन्मदिवस जिन्होंने विश्व के सबसे बडे हिंदू संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की, सिख परंपरा के द्वितीय परमपूज्य गुरु अंगद देव जी का जन्म दिवस, सिंधी समाज के आराध्य देव सिंध प्रान्त के प्रसिद्ध समाज रक्षक भगवान वरूणावतार संत झूलेलाल जी का प्रकट दिवस भी है। आर्य समाज की स्थापना स्वामी दयानंद जी सरस्वती ने इसी दिन आर्य समाज की स्थापना की थी जिन्होंने हिंदू समाज की रक्षा में शुद्धिकरण में बहुत बड़ा योगदान दिया वेद आधारित ज्ञान को बढ़ाया वेदों का प्रचार प्रसार किया आर्य समाज का ध्येय वाक्य कृण्वन्तो विश्वम् आर्यम्, जिसका अर्थ है श्विश्व को श्रेष्ठ बनाओ।

श्री पाण्डेय ने बताया कि विश्व की सबसे प्राचीन काल गणना, जिसे भारतीय काल गणना या वैदिक काल गणना भी कहा जाता है, सृष्टि के आरंभ से ही मानी जाती है और इसमें युगों, वर्षों, म्हीनों और दिनों की गणना शामिल है। यह काल गणना ज्योतिष और खगोल विज्ञान पर आधारित है, जिसमें सूर्य, चंद्रमा और ग्रहों की गति का अध्ययन किया जाता है। युगों की भी काल गणना भारतीय काल गणना में चार युगों का वर्णन है सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग। गुढी पाडवा चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को गुढी पाडवा या वर्ष प्रतिपदा या उगादि (युगादि) कहा जाता है। गुढी का अर्थ विजय पताका होता है। इस वर्ष चौत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि इस वर्ष 30 मार्च, 2025 को है। विक्रम संवत इस वर्ष विक्रम संवत 2082 होगा। इसदिन को नव संवत्सर भी कहा जाता है। इसदिन को अलग-अलग नामों से भी जाना जाता हैरू भारत के विभिन्न राज्यों में, इसे अलग-अलग नामों से बोलते है, जैसे गुडी पडवा महाराष्ट्र आदि प्रदेशों मे उगादी (आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक) आदि। इस साल का राजा इस वर्ष का राजा सूर्य देव है। इस साल का मंत्री इस वर्ष का मंत्री भी सूर्य देव है। इसदिन सभी महानुभाव प्रसाद के रुप ग्रहण करते हैं। श्री पाण्डेय ने बताया कि नीम, काली मिर्च और मिश्री को एक साथ खाने के कई वैज्ञानिक लाभ हैं, जिनमें पाचन में सुधार, मनुष्य सरीर मे सूजन कम करना आदि लाभ प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करना शामिल है। सनातन धर्म एकसमग्र जीवनशैली का मार्गदर्शन प्रदान करता है, जो सत्य अहिंसा और कर्तव्य (धर्म) जैसे मूल्यों पर आधारित है।

दुख की घड़ी में सरकार की सद्भावना एवं संवेदना हमेशा आपके साथ है-मुख्यमंत्री

डॉ मोहन यादव ने अंजली रैकवार से संवाद किया और चार लाख रुपए की अनुग्रह सहायता प्रदान की

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंदसौर नगर पालिका क्षेत्र की रहने वाली अंजली रैकवार को 4 लाख की अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की। अंजली रैकवार के पति रवि रैकवार का 8 नवंबर 2023 को दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। उनके पति सब्जी का ठेला लगाने का व्यवसाय करते थे। जिससे उनके परिवार चलता था। लेकिन उनके पति के गुजर जाने के पश्चात उनके घर की दयनीय स्थिति हो गई। लेकिन ऐसी दुख की घड़ी में मुख्यमंत्री जन कल्याण योजना संबल ने इनको सहारा प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने स्वयं अंजली रैकवार से संवाद किया और चार लाख की अनुग्रह सहायता प्रदान की। मुख्यमंत्री ने अंजलि से संवाद करते हुए कहा कि दुख की घड़ी में हम आपके साथ में हैं। संबल योजना के माध्यम से आपको सहायता मिल रही है। सरकार की सद्भावना एवं संवेदना हमेशा आपके साथ में है। संबल योजना से जुड़ने का आप एक उदाहरण है। संबल योजना का लाभ अन्य परिवारों को भी मिले इसके बारे में भी अन्य लोगों को बताएं। संबल योजना की राशि का समुचित उपयोग करें। आपके परिवार को ऐसी दुख की घड़ी में भगवान कष्टसहन करने की ताकत प्रदान करें। मुख्यमंत्री से अंजली ने कहा कि मैं इस वक्त पार्लर का काम सीख रही हूं। इसके साथ ही मुझे लाडली बहना योजना, खाद्यान्न पर्ची, आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला गैस कनेक्शन एवं प्रस्तुति सहायता राशि का भी लाभ मिला है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान श्रम वीरों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि काम करने से प्रतिभा निखर रही है। सभी काम करें, अच्छे काम करे। सभी योजनाओं का लाभ उठाएं। सभी के परिवारों की जिंदगी बहुत अच्छी हो। हर परिवार में सुख का सूरज निकले।

प्रधानमंत्री मोदी का जल संरक्षण अभियान अब मप्र में बनेगा जन आंदोलन-मुख्यमंत्री

कल से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलेगा 'जल गंगा संवर्धन अभियान', पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन सहित 12 से अधिक विभागों की अभियान में होगी सहभागिता

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शी सोच के साथ मध्यप्रदेश में वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का 'जल गंगा संवर्धन' महा अभियान गुडी पड्वा के दिन 30 मार्च से शुरू होने जा रहा पानी दे, गुरुबाणी दे। जल बिन सब सूना है। जो सबको जीवन दे, वो है जल। जल ही जीवन है। इससे हम आज सुरक्षित हैं, इसी से हमारा कल भी सुरक्षित है। जल बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। जल संरक्षण के लिए सिर्फ सरकार ही नहीं, समाज को भी आगे आना होगा। इसी मंशा से मध्यप्रदेश सरकार जल गंगा जल संवर्धन महा अभियान प्रारंभ करने जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन स्थित क्षिप्रा तट पर वरुण (जल देवता) पूजन और जलाभिषेक के साथ 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का विधिवत शुभारंभ करेंगे। यह प्रदेशव्यापी अभियान ग्रीष्म ऋतु में 30 जून तक 90 दिन से अधिक समय तक लगातार चलेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव हर दिन एक छोटी-बड़ी जल संरचना को लोकार्पित करेंगे। उन्होंने कहा है कि जल संरक्षण के इस अभियान से प्रदेश में भूजल स्तर में सुधार आएगा। पानी की बूंद-बूंद बचाएं, तभी हमारी सांसें बचेंगी। मध्यप्रदेश सरकार जन, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जल संरक्षण अभियान देशभर में एक व्यापक जन-आंदोलन बना है। राज्य सरकार भी 'खेत का पानी खेत में-गांव का पानी गांव में' के सिद्धांत पर जल संरक्षण की दिशा में अभियान चला रही है। हमारी धरा के कुल जल का केवल एक छोटा हिस्सा ही पीने योग्य स्वच्छ जल के रूप में उपलब्ध है। पृथ्वी के कुल जल का लगभग 97 प्रतिशत महासागरों में खारा जल है, जो पीने योग्य नहीं है। शेष 3 प्रतिशत मीठा जल है, लेकिन इसमें से भी अधिकांश हिमखंडों और बर्फ की चोटियों में जमा है। सिर्फ 0.5 प्रतिशत से भी कम पानी झीलों, नदियों और भूजल के रूप में उपलब्ध है, जिसे हम उपयोग कर सकते हैं। पृथ्वी पर स्वच्छ और पीने योग्य पानी की मात्रा बहुत ही सीमित है और इसे संरक्षित करना बेहद ज़रूरी है। इसीलिए मध्यप्रदेश सरकार ने जल बचाने के लिए कदम बढ़ाये हैं।

जल बचाने लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा अभियान–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान' में जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार का यह अभियान जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देकर अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ें। उन्होंने कहा कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान', प्रदेश में जल संकट को खत्म करने और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रदेशव्यापी जल संवर्धन अभियान में जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, पर्यावरण विभाग, नगरीय विकास एवं आवास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्कूल शिक्षा, उद्यानिकी एवं कृषि सहित 12 से अधिक अन्य विभाग एवं प्राधिकरण साथ मिलकर जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार के कार्य करेंगे। अभियान की थीम 'जन सहभागिता से जल स्त्रोतों का संवर्धन एवं संरक्षण' रखी गई है।

नागरिकों के सहयोग से जल संरक्षण अभियान बनेगा जन-आंदोलन–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल संचय की विभिन्न गतिविधियां संचालित करने जैसे - पौध-रोपण, जल स्रोतों का पुनर्जीवन, ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम चलाने, स्कूलों में बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने, ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब, नदियों पर छोटे बांध निर्माण एवं नदियों के संरक्षण के लिए जलधारा के आसपास फलदार पौधों के रोपण और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों पर प्याऊ की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों से भी अपील की है कि वे जल संरक्षण की दिशा में सक्रिय योगदान दें और प्रदेश में अभियान के दौरान इसे एक को जन-आंदोलन बनाएं।

'जल गंगा संवर्धन अभियान'-वर्ष 2024–गत वर्ष 5 से 30 जून 2024 तक 'जल गंगा संवर्धन अभियान' चलाया गया था। इस अवधि में 1056 करोड की लागत से 38 हजार 851 कार्य किए गए। 302 करोड से अधिक राशि 21 हजार 577 जीर्णोद्धार/सुधार कार्यों पर खर्च की गई थी। वर्ष 2024 में 5672 पुरानी बावडियों एवं कुओं का जीर्णोद्धार किया गया। 93 करोड रुपए की लागत से 3751 नए कुएं निर्मित किए गए थे। साथ ही 7709 तालाबों के निर्माण एवं जीर्णोद्धार पर 616 करोड की राशि खर्च हुए थे। इसी प्रकार 2925 चेक डैम एवं स्टॉप डैम निर्माण एवं जीर्णोद्धार में 119 करोड रुपए की लागत आई। 7158 रिचार्ज पिट और रीचार्ज शॉफ्ट निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण किया गया। अन्य जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों में लगभग 458 करोड रुपए की लागत से 30 हजार से अधिक कार्य हुए थे।

एक अप्रेल से शुरु होगा नया शिक्षा सत्र, 31 मार्च तक पूरी करनी होगी प्रक्रिया

भोपाल/मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नया शिक्षा सत्र 01 अप्रेल से शुरू होने जा रहा है। कक्षा पहली से 12वीं तक की कक्षाओ में प्रवेश के लिए इस माह की आखिरी तारीख 31 मार्च तय कर दी गई है। इसमें पहली से 11वीं तक के विद्यार्थियों का अगली कक्षाओं में प्रवेश सुनिश्चित करने के साथ ही इन्हें समग्र शिक्षा पोर्टल पर भी अपलोड करना होगा।

01 अप्रेल को प्रत्येक प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलो में विशेष बाल सभा का आयोजन किया जाएगा। इसमें उपस्थित अभिभावकों को नवीन शैक्षणिक निर्देशों के साथ-साथ अध्ययन, अध्यापन की योजना से अवगत कराना, शाला प्रबंधन समिति एवं पालकों की बैठक का आयोजन कर शैक्षणिक स्तर विद्यार्थियों की रुचि अनुरूप एवं नियमित उपस्थिति के साथ-साथ विद्यालय की समस्त गतिविधियों से अवगत कराते हुए उन्हें आवश्यक सहयोग के लिए प्रेरित करना है। इस दिन बच्चों को विशेष मध्यान्ह भोजन दिया जाएगा।

बचे हुए दिनों में यह करना होगा...

मार्च माह के बचे हुए दिनों में प्राथमिक से लेकर माध्यमिक और हाईस्कूल-हायर सेकंडरी स्कूलों में वर्तमान कक्षा में पढ़ रहे विद्यार्थियों को सत्र 2025-26 में अगली कक्षा में प्रवेश करवाकर उनका नामांकन करते हुए समग्र शिक्षा पोर्टल पर पूरा डाटा अपलोड करना है।

आंगनवाड़ियों से संपर्क करना...

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार 6 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों का कक्षा 01 में नामांकन की आयु 30 सितंबर 2025 तक की गणना होगी। नामांकन के लिए आंगनबाड़ी केंद्र से कक्षा एक में प्रवेश योग्य संभावित बच्चों की सूची एवं जन्म प्रमाण पत्र, आंगनवाड़ी का रिकॉर्ड स्व घोषणा पत्र लेना होंगे।

कैचमेंट एरिया के स्कूलों में जाएंगे...

हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी विद्यालय के कैचमेंट क्षेत्र में आने वाले सभी विद्यालयों के प्रवेशित विद्यार्थियों को कक्षा में वापस लाने के लिए विद्यालय में कार्यरत शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने क्षेत्र में सतत एवं गहन संपर्क अभियान चलाएंगे। कक्षा नवी में छात्रों के विषयों की दक्षता स्तर में सुधार करने के लिए ब्रिज कोर्स का संचालन किया जाएगा।

नशे में महिला को पीटा, 2 पर मामला दर्ज

पिपलियामंडी, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। महिला से मारपीट करने वाले दो आरोपियों पर पुलिस ने केस दर्ज किया। सूरी निवासी सोरमबाई पति मोहनलाल बावरी ने नाहरगढ़ ाने पर शिकायत दर्ज कराई कि घर के सामने रमेश पिता राजमल बावरी शराब पीकर आया और गालियां देने लगा, मना किया तो मारपीट की, व लकडी से मारी, जिससे चोंटे आई। इस दौरान वीरेन्द्र पिता जगदीश बावरी भी शराब पीकर आया, उसने भी मारपीट की व घर के बाहर खडी बाइक को लकडी से क्षतिग्रस्त किया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया।

मजदूर ने मजदूर को पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मकान निर्माण के दौरान मजदूर ने मजदूर को पीटा। पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। बूढा नई आबादी निवासी बबलू पिता कंवरलाल चौहान ने बूढ चोकी पर शिकायत दर्ज कराई कि में गांव में बादपुर मार्ग पर कैलाश मालवीय के मकान निर्माण के दौरान मजदूरी कर रहा हूं, वहां नाहरगढ नई आबादी निवासी देवीलाल सूर्यवंशी भी कार्य कर रहा है। मटेरियल मिलाने की बात पर देवीलाल ने गाली-गलौज कर मारपीट की व पाने की मार दी, जिससे उंगली व पैर में चोंट आई।

मायके वालों को पीटा, पति, सास, ससुर पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। ससुराल वालों ने मायके वालों के साथ मारपीट की। पुलिस ने चार पति, सास, ससुर सहित 4 पर केस दर्ज किया। मुन्देडी निवासी आशा मेघवाल ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरे मायके से पिता श्यामलाल, भैया सचिन, माता प्रेमबाई व बहन निशा मुझे ससुराल मुन्देडी आए थे। वहां मेरे ससुर ओमप्रकाश, पति विजय शराब पीकर आए। इनके साथ मेरी दोनों सास रामकन्याबाई व शांतिबाई भी आ गई। सभी ने मिलकर मुझे, मेरे पिता, भैया, माता व बहिन के साथ मारपीट की। पुलिस ने सभी के खिलाफ केस दर्ज किया।

जेवरात ठगी करने वाले ठग गिरफ्तार

गरोठ, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। बस स्टैंड पर एक सराफा दुकान में ठगी के मामले में ठगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तीनों पकड़े गए आरोपियों ने नकली सोना-चांदी बेचकर ठगी की वारदात की थी।

पुलिस ने बताया कि 21 मार्च 25 को सराफा व्यवसायी धीरज पिता हरीश गुप्ता उम्र 26 साल निवासी मारूती कॉलोनी गरोठ की बस स्टैंड स्थित दुकान सांवलिया ज्वेलर्स में वारदात हुई। धीरज ने पुलिस को बताया कि दोपहर करीब 11 बजे दो व्यक्ती व उनके साथ एक महिला दुकान पर आए। जिनके द्वारा मेरी दुकान से चाँदी की पायल कीमत 27 हजार 700 रुपये में खरीदी। उन्होंने कहा कि हमारे पास दो चाँदी की कड़ी तथा चार सोने की ओगनीया व एक सोने की चेन है। इन्हे बेचना है, जिन्हे मेरे द्वारा चैक करते उक्त आभुषण सोना व चाँदी के होना पाये गए। मेरे द्वारा उक्त सभी आभुषण को 3 लाख 30 हजार रुपये में सौदा तय हुआ। मेरे द्वारा उक्त व्यक्तियों को चाँदी की पायजेब व शेष

03 लाख 02 हजार 300 रुपये उन्हें वापस दे दिये। इसके बाद इन्होंने बहस किया और कहा कम रुपए दे रहे हो। सौदा पसंद नहीं है। चांदी की थैली इनके द्वारा बदलकर वापिस कर दी गई। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। मामले में महेन्द्र सिह पिता बापुलाल बंजारा उम्र 32 साल निवासी समेल थाना जावद जिला नीमच, ईश्वर पिता सम्पत बंजारा उम्र 20 साल निवासी तलाऊथाना कुकडेश्वर जिला नीमच और अन्तरी बाई उर्फ इन्दरा पति देवकिशन बंजारा उम्र 35 साल निवासी तलाऊ थाना कुकडेश्वर जिला नीमच को पकडा गया। जिसमे उक्त तीनो आरोपियो ने अपराध करना स्वीकार किया। उक्त तीनो आरोपियो से धोखाधडी कर ले गये मश्रुका नगदी 03 लाख 02 हजार 300 रुपए व 1 जोड चादी की पाईजेब बरामद की गई। अपराध में विवेचना जारी हैं।

सीएमएचओ सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का तुरंत समाधान करें-संभागायुक्त

खरीदी के दौरान चने की गुणवत्ता को देखें, स्व सहायता समूह की महिलाओं को शहद की खेती के लिए प्रेरित करें, संभागायुक्त ने सभी जिला अधिकारियों की बैठक कर दिशा निर्देश दिए

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता ने मंदसौर एनआईसी कक्ष में जिलाधिकारी की बैठक ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। बैठक के दौरान संभागायुक्त ने सीएमएचओ को निर्देश देते हुए कहा कि, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का तुरंत समाधान करें। आगामी सात दिवस में शिकायतों का निराकरण करें। हर शाखा की अलग शिकायतों को चिन्हित करें तथा उस पर काम करें। शिकायतकर्ता से बात करें तथा संतुष्टि पूर्वक समाधान करें। निराकरण करके एक सप्ताह में रिपोर्ट भेजें। इसके साथ ही उन्होंने अन्य योजनाओं एवं टीकाकरण की स्थिति के बारे में जानकारी ली। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, डीएफओ श्री संजय रायखेरे, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, जिला अधिकारी मौजूद थे।

उपार्जन कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि शत प्रतिशत वेरिफिकेशन करें। प्रतिदिन हो रहे खरीदी की जानकारी ली। खरीदी के लिए स्व सहायता समूह की महिलाओं को प्रेरित करें। स्व सहायता समूह की महिलाओं को शहद की खेती के लिए भी प्रेरित करें। खरीदी के दौरान चने की गुणवत्ता को देखें। जहां पर ज्यादा आवश्यकता हो वहां पर अतिरिक्त सर्वेयर लगाए। कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान रखें। उद्यानिकी विभाग पान की खेती की छोटी-छोटी इकाइयों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाए तथा जिले में पान का अधिक से अधिक उत्पादन बढ़ाए। मत्स्य विभाग को निर्देश दिए की। केज कल्चर शुरू करें। इसके लिए सक्षम मछुआरों को प्रेरित करें। बिना सब्सिडी वाले प्रकरण बढ़ाएं। जिले के अधिकांश तालाबों में मछली पालन हो इसको सुनिश्चित करें।

संभागायुक्त मंदसौर एनआईसी से समाधान ऑनलाइन में शामिल हुए–संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता मंदसौर एनआईसी कक्ष से समाधान ऑनलाइन में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने समाधान ऑनलाइन के माध्यम से सीएम हेल्पलाइन शिकायतो की समीक्षा की। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, डीएफओ श्री संजय रायखेरे, अपर आयुक्त श्री रंजीत कुमार, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सभी जिला अधिकारी मौजूद थे।

कोर्ट के लंबित मामलों का त्वरित निराकरण करें–संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता ने मंदसौर कलेक्टर कार्यालय स्थित कलेक्ट्रेट शाखाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कलेक्टर कोर्ट, एडीएम कोर्ट, स्थापना शाखा, अधीक्षक शाखा, नाजिर शाखा, राहत शाखा, माफी शाखा, वित्त, एससी 2, स्थापना, राजस्व शाखा, तकाबी, राहत, अल्प बचत, देवस्थान शाखों का निरीक्षण किया। कोर्ट निरीक्षण के दौरान उन्होंने रीडर को निर्देश दिए कि धारणाधिकार के केस का तुरंत निराकरण करें तथा रिपोर्ट भेजें। कैंप मोड में काम करें। 2 से 5 वर्ष के प्रकरण है। उनको प्रत्येक कोर्ट में लगाए। उनका 80% निराकरण करें। अधीक्षक टेबल निरीक्षण करे, जल्द कार्य पूर्ण करे, प्रत्येक दिन टेबलों के निरीक्षण करें और टिप तैयार करें। मंदिर अतिक्रमण से संबंधित डाटा अपडेट करें। कोई डाटा छुट्टे नहीं इसका ध्यान रखें। सभी किसानों की फॉर्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से बनवाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, अपर आयुक्त श्री रंजीत कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल + मौजूद थे।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग का 1-1 माडल गांव बनाएं-कलेक्टर

उद्योग विभाग सभी उद्योगों में शत प्रतिशत वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाए

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में जल गंगा संवर्धन अभियान

के संबंध में एक विशेष बैठक सुशासन भवन सभागृह में आयोजित की गई। जल गंगा संवर्धन अभियान संपूर्ण जिले में 90 दिवस यानि 30 मार्च से लेकर 30 जून तक लगातार चलेगा। जिसमें जल संरचनाओं का संरक्षण, जीर्णोद्धार, नवीन संरचना का निर्माण, पौधारोपण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, नदियों, तालाबों, नहरो, कुएं की सफाई इत्यादि गतिविधि आयोजित की जाएगी। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सभी जनपद सीईओ को निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक जनपद में रेन वाटर हार्वेस्टिंग का एक-एक मॉडल गांव बनाएं। सभी नगरीय निकाय शहरों में वन लगाने के मापदंडों को समझें और उसके अनुसार वनों को लगाए। ग्रीन एरिया विकसित करें। जल संसाधन विभाग शासकीय नहरों को चिन्हित करें। उनको रिपेयर करें तथा अतिक्रमण मुक्त करवाए। तालाबों को चिन्हित करें और उनकी साफ सफाई करवाए। ग्रामीण क्षेत्रों में जन अभियान परिषद जल दूत बनाए। पीओ डूडा शहरी क्षेत्र में जल मित्र बनाएं। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, वन मंडल अधिकारी श्री संजय राय, संबंधित विभाग मौजूद थे। कलेक्टर ने उद्योग विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि उद्योगों में शत प्रतिशत रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाएं एवं सीएसआर फंड से औद्योगिक क्षेत्र में पौधारोपण करवाए। शिक्षा विभाग स्कूल, कॉलेज में निबंध, पोस्टर बैनर, नाटक, कविता पाठ, व्याख्यान आदि प्रतियोगिताएं करवाए तथा विद्यार्थियों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें। पीएचई विभाग नल जल के स्त्रोतों की जिओ टेकिंग करें। इसके लिए कार्य योजना बनाएं। जल संसाधन विभाग शासकीय नहरों को चिन्हित करें और उनको रिपेयर करें। उनकी जियो टेकिंग करें। तालाब, चेक डैम को इंद्राज करें। नहरों की साफ सफाई करवाए। सभी नगरीय निकाय प्याऊस्थापित करें।

चेक डिस आनर करने पर एक वर्ष की सजा

वरूण साख सहकारी संस्था को दिया था ऋण भुगतान का चेक

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। वरूण साख सहकारी संस्था मंदसौर का एक चेक डिस आनर करने के मामले में आरोपी को एक वर्ष की सजा सुनाई। अभियुक्त लेखूमल पिता उधवदास गिडवानी ने श्री वरूण साख सहकारी संस्था से ऋण लिया था जिसे चुकाने के लिये अभियुक्त ने सेन्ट्रल बैंक ऑफ इन्डिया का चेक क्रमांक 64238 रूपये 76,726/- दिनांक 13/09/2019 को चेक ऋण चुकाने के लिये दिया था। वरूण साख संस्था ने यह चेक भुगतान हेतु अपने खाते में लगाया जो बैंक की इस टीप के साथ वापस आ गया कि फंड इन सफी सिएन्ट हैं अत: भुगतान संभव नहीं है बैंक ने चेक 17/09/2019 को वापस कर दिया। वरूण साख सहकारी संस्था ने अभियुक्त लेखूमल पिता उधवदास से ऋण की राशि 76,726/- वसूल करने के लिये माननीय न्यायालय मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जिला मन्दसौर में वाद लगाया था। प्रकरण में न्यायाधीश सुश्री श्वेतासिंह मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ने दिनांक 26/03/2025 को अपने लिखित निर्णय दिनांक 26/03/2025 में अपराध की प्रकृति और समस्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए लेखूमल पिता उधवदास को अधिनियम 1831 की धारा 138 के तहत दोषी पाये जाने पर 12 माह के कठोर कारावास से दण्डित किया।

रांग साइड से आ रहे ट्रक... पेज 1 से जारी

शव दो घंटे पिपलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ही पडा रहा। अस्पताल में शव कक्ष भी नही है। सूचना पर किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द, जनपद सदस्य प्रकाश राठौर, राजेश भारती, निर्मल राठौर आदि पहुंचे। किसान नेता जोकचन्द ने समय पर पीएम के लिए शव नही ले जाने पर पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया। तब जाकर दो घंटे के बाद शव को पीएम के लिए भिजवाया। शव को ले जाने के लिए शासकीय वाहन भी नही था। किसान नेता जोकचन्द ने अपने वाहन में शव को रखकर पीएम कक्ष तक भिजवाया।

पेट्रोल भराकर रांग साइड से जाते है वाहन चालक–जानकारी के अनुसार कई दुपहिया व चार पहिया वाहन चालक फोरलेन पर पुलिस थाने के सामने कट से निकलकर रांग साइड से पेट्रोल, डीलज भराने पंप पर जाते है, वाहन चालक वापस सही दिशा में न आते हुए बही फन्टे तक तीन किलोमीटर तक रांग साइड ही जाते है। इससे पूर्व में कई बार हादसे हो चुके है।

नीमच मंडी: 157 भूखंडों की नीलामी से मिला करोड़ो रुपए का राजस्व

नीमच, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कृषि उपज मंडी समिति नीमच और जिला प्रशासन ने शुक्रवार को नवीन मंडी परिसर चंगेरा, डूंगलावदा में व्यापारियों के लिए भूखंडों की नीलामी की। इस नीलामी से मंडी को 34 करोड़ 75 लाख 27 हजार रुपए का राजस्व प्राप्त होगा। यह राशि निर्धारित अपसेट मूल्य 2 करोड़ 45 लाख 70 हजार 500 रुपए से 1414 गुना अधिक है।

नीलामी की प्रक्रिया 26 मार्च से शुरू हुई थी। पहले दिन 68 भूखंडों की नीलामी से 12 करोड़ 58 लाख 41 हजार का राजस्व मिला। दूसरे दिन 89

भूखंडों से 22 करोड़ 16 लाख 86 हजार प्राप्त हुए। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन और मंडी भारसाधक अधिकारी संजीव साहू की निगरानी में नीलामी पूरी पारदर्शिता से खत्म हुई। इस नीलामी में 20 नए पंजीकृत मंडी व्यापारियों को भूखंड मिले हैं। साथ ही 11 आरक्षित वर्ग के व्यापारियों को भी भूखंड आवंटित किए गए हैं। इनमें 06 नए पंजीकृत आरक्षित वर्ग के व्यापारी शामिल हैं। इस नीलामी से नए व्यापारियों को अपना व्यवसाय बढ़ाने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि कृषि उपज मंडी नीमच के नवीन अतिरिक्त परिसर में 01 हजार वर्ग फीट के कुल 157 भूखंडों की नीलामी की गई है।

इसके लिए मंडी प्रशासन द्वारा विस्तृत विज्ञप्ति जारी कर नीलामी की पारदर्शी प्रक्रिया को अपनाया गया है। इससे अनेक व्यापारियों को पहली बार भूखंड प्राप्त करने का अवसर मिला है। इस नीलामी में कुल 286 व्यापारियों की ओरसे 157 भूखंडों के लिए बोली लगाई गई, जिसमें 34 करोड़ 75 लाख 27 हजार की कुल बोली प्राप्त हुई है। वहीं इस दुकानों की 91 दुकानों की नीलामी शुक्रवार को होना थी, जिसे निरस्त कर दिया गया है। मामले पर एसडीएम संजीव साहू ने बताया कि 91 दुकानों के लिए 105 आवेदन आए थे। ऐसे में यह फैसला लिया गया है, कि नीलामी कुछ समय बाद की जाएगी। नीलामी की जो प्रक्रिया की गई, उसमें पूरी पारदर्शिता बरती गई है। नीलामी से शेष रह गए भूखंडों की नीलामी प्रक्रिया आगामी माह में जल्द ही की जाएगी, जिसकी सूचना पृथक से जारी की जाएगी।

सोना 90 हजार 800, चांदी पहुंची 01 लाख 500 के स्तर पर

सोना-चांदी के भाव ने तोड़े सारे रेकॉर्ड

मंदसौर, 28 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पिछले कुछ महीनों से लगातार बढ़ रहे सोने-चांदी के भाव ने सारे रेकॉर्ड तोड़ दिए। चांदी 01 लाख के पार तो सोना 90 हजारी हो गया। इससे सराफा बाजार में भारी हलचल देखी गई। शुक्रवार को चांदी 01 लाख 500 रुपए प्रति किलोग्राम और सोना 90 हजार 800 रुपए प्रति दस ग्राम पहुंच गया। दोनों धातुओं के दाम धीरे-धीरे हो गतिमान रहे हैं। वैश्विक संकट और अमरीकी रुख के चलते विश्व की अर्थव्यवस्था में भारी हलचल बनी हुई है। ऐसे में सोने-चांदी की कीमतों में लगातार उछाल आ रहा है। सोने-चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी का क्रम नए साल की शुरुआत के साथ ही हुआ, जो अब भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। दस दिन में दूसरी बार चांदी एक लाख के आंकड़े को तो सोना 90 हजार के आंकड़े को पार कर गया है। सराफा व्यवसायियों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही अनिश्चिता के चलते सोना-चांदी के दाम में तेजी आई है। केंद्रीय बैंक की मांग व ब्याज दर में कटौती के संदेश ने दोनों धातुओं के दाम में तेजी ला दी है।

✻ उठावना ✻

स्व. श्री पं. शिवशंकर शर्मा की पुत्रवधू, कन्हैयालाल शर्मा (कंपाउंडर) की धर्मपत्नी, श्यामप्रसाद शर्मा (श्याम बाबु), कृष्णगोपाल शर्मा की माताजी व जग्गू, दीपक, कार्तिक की दादी श्रीमति शान्ताबाई शर्मा का स्वर्गवास हो गया है। जिनका उठावना आज दिनांक 29 मार्च 2025, शनिवार को शाम 5 बजे निज निवास स्थान बड़ा रामद्वारा, राम मोहल्ला, जनकूपुरा, मंदसौर पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
कन्हैयालाल शर्मा(कंपाउंडर) एवं शर्मा परिवार बड़ा रामद्वारा, राम मोहल्ला, जनकूपुरा, मंदसौर

कार्यालय नगर परिषद सुवासरा जिला मंदसौर (म.प्र.)

Email-cmosuwasra@mpurban.gov.in, Phone & Fax-07426-220756

क्रं./लो.नि./ई-टेण्डर/2025/746 सुवासरा, दिनांक-25.03.2025

✻✻ ई-टेण्डरिंग निविदा आमंत्रण सूचना ✻✻

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ईएमडी	कार्य की समयावधि	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_412516_1	सी.सी. रोड निर्माण कार्य (वार्ड क्रमांक 03 व 04 में जमात खाने के पास सरकारी ट्यूबवेल से मंदसौर रोड तक)	31.55 लाख	5000	24000	03 माह	25.04.2025
2	2025_UAD_412517_1	सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य (वार्ड क्रं. 08 व 09 में बालचंद देवड़ा के घर से स्कूल तक)	10.05 लाख	2000	10000	03 माह	25.04.2025
3	2025_UAD_412519_1	सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य (वार्ड क्रं. 02 में चौमहला रोड से शिवनारायण प्रजापत के घर तक)	5.85 लाख	2000	6000	03 माह	10.04.2025
4	2025_UAD_412520_1	सी.एस.आर. मद अंतर्गत सी.सी. रोड निर्माण कार्य (वार्ड क्रं.14 में पोरवाल परिणय रिसोर्ट के पास)	4.52 लाख	2000	4500	02 माह	10.04.2025
5	2025_UAD_412522_1	सी.एस.आर. मद अंतर्गत नगर सुवासरा वार्ड क्रं. 07 में वी.एस.एन.एल. ऑफिस के पास सत्संग भवन की बाउण्ड्रीवाल निर्माण	4.33 लाख	2000	4500	02 माह	10.04.2025

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद सुवासरा

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in